घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 95- बुधवार 04- फरवरी 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

लोकसभा में राहुल के भाषण पर लगातार दूसरे दिन हंगामा...

नरवणे पर आर्टिकल दिखाया,तो स्पीकर ने रोका पेपर उछालने वाले 8 विपक्षी सांसद निलंबित...

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। लोकसभा में राहुल गांधी की स्पीच पर लगातार दूसरे दिन हंगामा हुआ। राहुल ने मंगलवार दोपहर 2 बजे पूर्व आर्मी चीफ की अनपब्लिश्ड बुक के आर्टिकल को सदन में पेश किया। कहा...मुझे बोलने दिया जाए। उनके यह कहते ही एनडीए के सांसदों ने टोकना शुरू कर दिया। आज वे 14 मिनट तक बोलने की कोशिश करते रहे। राहुल ने कहा...'मुझे परमिशन नहीं दी जा रही है। मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा। मैं विपक्ष का नेता हूं। मैंने राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा उठाया है। मैं बस बता रहा हूं की चाइना-इंडिया के बीच में क्या हुआ। पूर्वी लद्दाख में हमारे सैनिक शहीद हुए।' हंगामा के दौरान पीठासीन की तरफ पेपर उछलने वाले 8 सांसदों को पूरे सत्र के लिए निलंबित कर दिया गया है। इनमें अमरिंदर सिंह राजा वडिंग,प्रशांत परोले,एस वेंकटरमण,मणिकम टैगोर, किरण कुमार रेड्डी,हिबी ईडन, गुरजीत औजला और डीन कोरियोकोज शामिल हैं।

सांसदों के निलंबन पर प्रियंका ने कहा...ये हास्यास्पद है...

लोकसभा से कांग्रेस के आठ सांसदों के निलंबन पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा,'यह बिल्कुल हास्यास्पद है। लोकतंत्र में हर सदस्य को बोलने का अधिकार होना चाहिए और उनकी चिंताओं को सुना जाना चाहिए।' कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा कि सदन चलाना सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने यह टिप्पणी तब की,जब उनसे संसद में नेता प्रतिपक्ष (लोकसभा) राहुल गांधी के बयान पर केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू द्वारा आपत्ति जताए जाने के बारे में पूछा गया।

जेपी नड्डा ने कहा...अमेरिका ने खुद टैरिफ घटाया

जेपी नड्डा-कांग्रेस के पास मुद्दे नहीं है। कांग्रेस को देश के विकास,देश के व्यापार में कोई रुचि नहीं है। केवल राजनीति करने में लगे हैं। पहले विपक्ष कहता था कि ट्रम्प का जवाब दीजिए। 50% टैरिफ लग रहा। कल देर रात अमेरिका ने खुद ही फैसला लिया। राष्ट्रपति ट्रम्प ने ट्वीट किया, पीएम मोदी की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि मेरी तरह पीएम मोदी भी स्ट्रॉन्ग लीडर हैं। मैं टैरिफ को 25% से घटाकर 18% करता हूं। पीएम मोदी इस पर उन्हें धन्यवाद दिया है। सरकार कभी भी जवाब देने से पीछे नहीं हटते हैं। विपक्ष ने कहा तो हमने चर्चा के लिए हां कहा। हमने कभी भी चर्चा से इनकार नहीं किया है।

राहुल ने कहा...मोदीजी डरे हुए, उन्होंने आपकी मेहनत को बेच दिया : राहुल गांधी ने कहा...'मोदीजी डरे हुए हैं। उन पर बहुत दबाव है। सरकार घबराई हुई है। नरेंद्र मोदी पर भयंकर प्रेशर है। ये साइड शो है। ये वो भी जानते हैं,मैं भी जानता हूं। प्रधानमंत्री को कॉम्प्रमाइज कर दिया गया है। ट्रेड डील में आपकी महनतत और खून-पसीने को मोदी जी ने बेच दिया है। क्योंकि वे कॉम्प्रमाइज्ड हैं,इसीलिए मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है।

थरूर बोले...विपक्ष केवल स्पष्टता मांग रहा है...

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भारत-अमेरिका व्यापार समझौते को लेकर सरकार से स्पष्टता की मांग की है। उन्होंने कहा है कि हम जानना चाहते हैं कि इस समझौते में आखिर है क्या। विपक्ष केवल स्पष्टता मांग रहा है। हमें नहीं पता कि डील की शर्तें क्या हैं। हमारे पास सिर्फ डोनाल्ड ट्रम्प का पोस्ट और नरेंद्र मोदी का पोस्ट है, क्या संसदीय लोकतंत्र में इतना ही काफी है? शशि थरूर ने सवाल उठाया कि क्या भारत सरकार को देश की जनता को यह नहीं बताना चाहिए कि समझौते में क्या शामिल है। उन्होंने कहा कि ट्रम्प कहते हैं कि यह कृषि से जुड़ा है, तो भारतीय किसानों के लिए क्या सुरक्षा प्रावधान हैं? ट्रम्प यह भी कह रहे हैं कि यह 500 अरब डॉलर की डील है, जबकि हमारा कुल आयात बिल लगभग 700 अरब डॉलर का है तो क्या हम बाकी देशों से खरीद बंद कर दें? उन्होंने कहा कि अगर यह वाकई अच्छी खबर है तो विपक्ष भी उसका स्वागत करेगा, लेकिन पहले सरकार को पूरी जानकारी और स्पष्टता देनी चाहिए।

राहुल के समर्थन में 3 सांसदों का बोलने से इनकार

राहुल गांधी के समर्थन में विपक्ष के 3 सांसद नरेश उत्तम पटेल, शताब्दी राय, डीएम खातिर आनंद ने बोलने से इनकार दिया। राहुल आज भी हंगामे की वजह अपनी स्पीच पूरी नहीं कर पाए थे।

राजग संसदीय दल की बैठक में प्रधानमंत्री का अभिनंदन

राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) संसदीय दल की मंगलवार को हुई बैठक में सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का भारत-यूरोपीय संघ से हुए व्यापार समझौते के एक सप्ताह के भीतर अमेरिका से भी समझौता होने पर उनका अभिनंदन किया और बधाई दी। बैठक में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नए अध्यक्ष नितिन नवीन का भी स्वागत किया गया। संसद सत्र के दौरान होने वाली इस बैठक में प्रधानमंत्री, गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं वरिष्ठ नेताओं सहित सत्ताधारी गठबंधन के वरिष्ठ नेताओं एवं सांसदों ने भाग लिया। इस दौरान सांसदों ने कल हुए समझौते को लेकर प्रधानमंत्री की प्रशंसा में नारे भी लगाए। राजग संसदीय दल की बैठक के बाद संसदीय कार्यमंत्री किरेन रिजिजू ने बैठक से जुड़ी जानकारी साझा करते हुए बताया कि इसमें नए भाजपा अध्यक्ष का स्वागत किया गया। साथ ही भारत-अमेरिका, भारत-यूरोप और अन्य देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौते पर प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हुए एतिहासिक समझौतों के लिए उनका अभिनंदन किया गया। आधी रात को हुए इस समझौते से देश में इस समय उत्साह का माहौल है। रिजिजू ने कहा कि भारत अबतक 39 विकसित देशों के साथ एफटीए कर चुका है। उल्लेखनीय है कि कल भारत और अमेरिका के बीच काफी समय से लंबित व्यापार समझौता हो गया। इससे भारत के समान पर लगने वाला अमेरिकी टैरिफ कम हो गया है। इसके चलते शेयर बाजार में भी काफी उछाल देखने को मिला है।

कानून के राज में ट्रस्ट,ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी बनी यूपी की पहचान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ,03 फरवरी 2026। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को होटल ताज में आयोजित वैश्विक निवेशकों एवं उद्यमियों के महासंगम 'उत्तर प्रदेश फार्मा कॉन्क्लेव 1.0' का शुभारंभ करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश आज केवल एक राज्य नहीं, बल्कि निवेशकों के लिए भरोसे की गारंटी बन चुका है। प्रदेश सरकार हर निवेशक को ट्रिपल-एस यानी सेफ्टी, स्टेबिलिटी और स्पीड की पूर्ण गारंटी देती है और उत्तर प्रदेश आज ट्रस्ट,ट्रांसफॉर्मेशन और टाइमली डिलीवरी का रोल मॉडल बनकर उभरा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश में रूल ऑफ लॉ पूरी मजबूती से लागू है। कानून से खिलवाड़ करने की छूट किसी को नहीं है। यदि कोई कानून को आंख दिखाने की कोशिश करता है,तो कानून अपने दायरे में लाकर उसे उसकी ही भाषा में जवाब देता है। यह नया उत्तर प्रदेश है,जहां व्यवस्था कमजोर नहीं, बल्कि निर्णायक है। मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में 2017 से पहले की स्थिति का उल्लेख करते हुए कहा कि उस दौर में उत्तर प्रदेश असुरक्षा, अराजकता और अविश्वास का पर्याय बन चुका था। वर्ष 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में 900 से अधिक दंगे हुए। शायद ही कोई शहर रहा हो, जहां कर्फ्यू न लगा हो। उद्योग, व्यापार और चिकित्सा क्षेत्र से जुड़े लोगों को गुंडा टैक्स देना पड़ता था। सुरक्षा के अभाव में पहले से स्थापित उद्योग भी प्रदेश छोड़ने पर मजबूर थे,युवा वर्ग पलायन कर रहा था। जिस धरती पर बचपन बीता हो, उसे छोड़ना किसी के लिए भी पीड़ादायक होता है,लेकिन असुरक्षा के चलते मजबूरी थी। यह केवल किसी एक उद्यमी की पीड़ा नहीं थी, बल्कि हर व्यापारी,हर निवेशक और हर नागरिक की व्यथा थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें यह दायित्व सौंपा, तो सबसे बड़ी चुनौती कानून-व्यवस्था को सुदृढ़ करना और नागरिकों के मन में विश्वास पैदा करना था।

भारत ने हासिल की एयर टु एयर मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। भारत ने हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइलों की मारक दूरी बढ़ाने की तकनीक हासिल कर ली है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने मंगलवार को ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) में सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) का परीक्षण किया,जो पूरी तरह सफल रहा है। स्वदेशी रूप से विकसित यह तकनीक भारत को लंबी दूरी की हवा से हवा में मार करने वाली मिसाइल विकसित करने में मदद करेगी। डीआरडीओ के मुताबिक सॉलिड फ्यूल डक्टेड रैमजेट (एसएफडीआर) प्रणोदन आधारित मिसाइल प्रणाली का परीक्षण पूरी तरह सफल रहा है। ओडिशा तट पर चांदीपुर के एकीकृत परीक्षण रेंज (आईटीआर) से किये गए परीक्षण में इस्तेमाल की गई जटिल मिसाइल प्रणाली ने सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके मिशन के सभी उद्देश्यों को पूरा किया। आईटीआर में तैनात टेलीमेट्री, रडार और इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम जैसे कई रेंज इंस्ट्रूमेंट्स ने इस प्रणाली के सफल प्रदर्शन को पुष्ट किया। एसएफडीआर को हैदराबाद की रक्षा अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशाला ने डीआरडीओ की प्रयोगशालाओं जैसे हैदराबाद की अनुसंधान केंद्र इमारत और पुणे की उच्च ऊर्जा सामग्री अनुसंधान प्रयोगशाला के सहयोग से विकसित किया गया है। डीआरडीओ ने सफल प्रदर्शन करके भारत को एयरोस्पेस की दुनिया में बढ़त दिलाई है।

अमेरिकी ट्रेड डील पर सरकार का पहला बयान....

पीयूष गोयल ने कहा...इंजीनियरिंग,कपड़ा और ज्वेलरी उद्योग को फायदा,ट्रम्प को धन्यवाद,उन्होंने दोस्ती का मान रखा

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। अमेरिका से ट्रेड डील पर भारत सरकार का पहला बयान आया है। मंगलवार को केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने मीडिया से कहा कि इस डील में किसी के भी हितों से समझौता नहीं किया गया है। यह एक ऐसी डील है, जिस पर हर भारतीय को गर्व होगा। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी ने हमेशा एग्रीकल्चर और डेयरी दोनों सेक्टर को सपोर्ट किया है, उनके हितों की रक्षा की। जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं, खासकर ऐसे सेक्टर जिनमें ज्यादा मेहनत लगती है और जो लाखों लोगों को रोजगार देते हैं। गोयल ने कहा कि सभी इस डील से उत्साहित हैं। इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का धन्यवाद, उन्होंने पीएम मोदी की मित्रता का सम्मान किया। दोनों देश इस डील पर जल्द ही इस पर साझा बयान जारी करेंगे।

पीयूष गोयल की 5 बड़ी बातें...

- इससे भारत का निर्यात बढ़ेगा। इससे हमारे इंजीनियरिंग सेक्टर्स के पार्ट्स बनाने वाले,टेक्सटाइल,मरीन गुड, ज्वेलर सेक्टर समेत सभी मैन्यूफेक्चरिंग सेक्टर को बहुत सारे मौके मिलेंगे।
- राहुल गांधी समेत विपक्ष के तमाम नेता इस डील का विरोध इसलिए कर रहे हैं, क्योंकि उनकी सोच नकारात्मक है। इसके लिए उन्हें देश से माफी मांगनी चाहिए।
- अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प का धन्यवाद, उन्होंने पीएम मोदी की मित्रता का सम्मान किया। साथ ही हमारी स्पर्धा वाले देशों में सबसे अच्छा ट्रेड डील किया।
- यह ट्रेड डील भारत की इकॉनमी के लिए,भारत के सभी 140 करोड़ नागरिकों के लिए,गांवों में रहने वाले हर गरीब व्यक्ति, किसान,मछुआरे, नौजवान और महिला,हमारी बहनों और महिलाओं के लिए बहुत सारे मौके लाएगी।
- हमने पूरे देश से रिपोर्ट्स देखी हैं। बड़े पैमाने पर उत्साह है। भारत के एक्सपोर्ट से जुड़े सभी लोग,भारत के टेक्नोलॉजी सेक्टर से जुड़े लोग, जो लोग भारत में मॉडर्न टेक्नोलॉजी लाना चाहते हैं और जो लोग अलग-अलग सेक्टर में इन्वेस्ट करना चाहते हैं।

राहुल बोले...मोदी ने देश बेचा,अडाणी पर केस,एपस्टीन फाइल्स से पीएम डरे हुए...

लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिकी ट्रेड डील में देश बेच दिया है। आपकी मेहनत को खून-पसीने को बेच दिया है, क्योंकि वे कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। राहुल ने कहा...नरेंद्र मोदी डरे हुए हैं, क्योंकि जिन्होंने उनकी इमेज बनाई वे अब यह इमेज तोड़ रहे हैं। अमेरिका में अडानी पर केस है,यह असल में मोदी पर केस है। वो मोदी जी के फाइनेंशियल स्ट्रक्चर को टारगेट कर रहे हैं। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल देश को गुमराह कर रहे हैं। अमेरिकी के साथ ट्रेड डील से देश को फायदा होगा। देश-विदेश में इसकी तारीफ हो रही है। कृषि-डेयरी क्षेत्र को संरक्षित रखा जाएगा।

अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% किया

भारत और अमेरिका के बीच सोमवार को बिजनेस डील का ऐलान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने किया था। ट्रम्प ने कहा था कि अमेरिका ने भारत पर टैरिफ 50% से घटाकर 18% कर दिया है। ट्रम्प ने अप्रैल में 25% रेसिप्रोकल टैरिफ (जैसे को तैसा) लगाया था और रूस से तेल खरीदने के कारण अगस्त में 25% पेनल्टी का ऐलान किया था। इससे भारत पर कुल टैरिफ 50% हो गया था। अब व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि भारत पर सिर्फ टैरिफ 18% ही लगेगा। अमेरिका रूसी तेल खरीदने के कारण लगा 25% टैरिफ हटा देगा। ट्रम्प ने सोमवार सुबह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर बातचीत की। इसके बाद रात करीब 10:30 बजे ट्रम्प ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'ट्रुथ सोशल' पर ट्रेड डील की घोषणा की। ट्रम्प ने दावा किया कि मोदी रूस से तेल की खरीद बंद करने और अमेरिका से ज्यादा तेल खरीदने पर राजी हो गए हैं।

युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13वें सीएम होंगे

भाजपा विधायक दल के नेता चुने गए,राष्ट्रपति शासन 12 फरवरी को खत्म हो रहा

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। भाजपा नेता युमनाम खेमचंद सिंह मणिपुर के 13 वें मुख्यमंत्री होंगे। मंगलवार को बीजेपी विधायक दल की बैठक में उन्हें नेता चुना गया। अब राज्यपाल के सामने सरकार बनाने का दावा पेश किया जाएगा। भाजपा सूत्रों के मुताबिक कुकी-जो समुदाय को संतुष्ट करने के लिए 10 कुकी विधायकों में से एक को डिप्टी सीएम का पद दिया जा सकता है। इस दौरान मणिपुर के विधायक दल का नेता चुनने के लिए नियुक्त सेंट्रल ऑब्जर्वर तरुण चुग,संबित पात्रा और मणिपुर के पूर्व सीएम बीरेन सिंह भी मौजूद रहे। मणिपुर से एनडीए के करीब 20 विधायक रविवार रात को दिल्ली पहुंचे थे। वहीं अन्य विधायक सोमवार को केंद्रीय नेतृत्व के निर्देश पर राजधानी पहुंचे। 9 फरवरी 2025 को बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। 12 फरवरी 2026 राष्ट्रपति शासन खत्म हो रहा है।

खेमचंद पारंपरिक ताइक्वांडो में 5th डैन ब्लैक बेल्ट पाने वाले भारतीय : युमनाम खेमचंद सिंह पारंपरिक ताइक्वांडो में 5th डैन ब्लैक बेल्ट पाने वाले भारतीय भी हैं। उन्हें इसका प्रमाणपत्र 30 दिसंबर 2025 को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में ग्लोबल ट्रेडिशनल ताइक्वांडो फेडरेशन के ऑफिस में दिया गया था। ताइक्वांडो और अन्य मार्शल आर्ट्स में डैन का मतलब होता है ब्लैक बेल्ट के स्तर। ब्लैक बेल्ट मिलने के बाद आगे की सभी रैंक को डैन कहा जाता है। मणिपुर में मैतेई और कुकी समुदायों के बीच मई 2023 में हिंसा की शुरुआत हुई थी। इसमें अब तक करीब 260 लोगों की मौत हुई है और हजारों लोग विस्थापित हुए हैं। राज्य में करीब दो साल तक हिंसा न रोक पाने के बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के नेतृत्व वाली BJP सरकार ने 9 फरवरी 2025 को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद 60 सदस्यीय विधानसभा को निलंबित कर दिया गया। बीरेन सिंह के इस्तीफे के 4 दिन बाद, 13 फरवरी 2025 से राष्ट्रपति शासन लागू किया गया।

प्राइवेट पॉलिसी पर सुप्रीम कोर्ट की मेटा-वॉट्सऐप को फटकार...कहा- संविधान का पालन करें,नहीं तो भारत छोड़ें,डेटा शेयरिंग की इजाजत नहीं देंगे

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को मेटा और वॉट्सऐप को उनकी प्राइवेसी पॉलिसी पर कड़ी फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि हम आपको एक भी जानकारी शेयर करने की इजाजत नहीं देंगे। आप इस देश के अधिकारों के साथ खिलवाड़ नहीं कर सकते। सीजेआई ने कहा, यदि आप हमारे संविधान का पालन नहीं कर सकते, तो भारत छोड़ दें। हम नागरिकों की निजता से समझौता नहीं होने देंगे। ये मामला वॉट्सऐप की 2021 प्राइवेसी पॉलिसी से जुड़ा है, जिसमें कंपटीशन कमीशन ऑफ इंडिया (ने नवंबर 2024 में मेटा पर 213.14 करोड़ रुपए का जुर्माना लगाया था। सीजेआई सूर्यकांत, जस्टिस जोयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल पांचोली की बेंच ने आईटी मंत्रालय को भी याचिका में पक्षकार बनाने को कहा है। कोर्ट 9 फरवरी को अंतरिम आदेश देगा। सीजेआई सूर्यकांत ने कहा कि देश में लोगों के निजता के अधिकार की कड़ी सुरक्षा की जाती है। कोर्ट ने कहा कि गोपनीयता से जुड़ी शर्तें इतनी चालाकी से लिखी जाती हैं कि आम आदमी उन्हें समझ ही नहीं पाता। यह लोगों की निजी जानकारी चोरी करने का शालीन तरीका है।

CMYK

संपादकीय

समानता की अनदेखी करने वाले नियम

यूजीसी नियमों पर सुप्रीम रोक...

भारत एक लोकतांत्रिक राष्ट्र है,जहां कानून सबके लिए बराबर होता है। यही हमारे संविधान का मूलभाव है। अगर कहीं सामान्य वर्ग के छात्र के साथ गलत हो रहा है,तो उसे भी न्याय मिलना चाहिए। ऐसा वातावरण बनाने पर भी काम हो,जहां शिकायत की नौबत कम आए...

पिछले दिनों विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने प्रमोशन आफ इक्विटी इन हायर एजुकेशन इंस्टीट्यूशंस रेगुलेशंस, 2026 नाम से एक नोटिफिकेशन जारी किया। इन नियमों का मकसद शैक्षणिक संस्थानों से धर्म, जाति,लिंग,जन्मस्थान,नस्ल या दिव्यांगता के आधार पर भेदभाव को खत्म करना था, लेकिन इन नियमों ने व्यापक विवाद को जन्म दिया। सामान्य वर्ग के छात्र इस आशंका से घिर गए कि इन नियमों में उन्हें पहले से ही अपराधी मान लिया गया है। फिलहाल सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगा दी है।

इन नियमों में शिकायत की सत्यता जांचने या झूठी शिकायतों को छांटने का कोई ठोस प्रविधान नहीं दिखता। हर आरोप पर तुरंत समिति बैठाकर तेज कार्यवाही तो तय है,लेकिन साक्ष्य की परख,गवाहों की सुनवाई,गोपनीयता और अपील जैसी प्रक्रिया को स्पष्ट रूप से परिभाषित नहीं किया गया है। आरोप लगते ही कार्रवाई होने की जल्दी में सही जांच कैसे होगी? यह बड़ा सवाल है। सवाल यह भी है कि यूजीसी की नई गाइडलाइन राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के लक्ष्यों और संवैधानिक निष्पक्षता के बीच कैसे सामंजस्य स्थापित कर पाएगी? वास्तव में न्याय न सिर्फ होना चाहिए,बल्कि होते दिखना भी चाहिए,अन्यथा भरोसा टूट जाता है।

कानूनी दृष्टिकोण से अनुच्छेद-14 के हिसाब से देखें तो यूजीसी के नए नियम समानता के अधिकारों की अनदेखी करते हैं, जबकि अनुच्छेद-15(1) जाति के आधार पर भेदभाव को रोकने का प्रविधान करता है। अदालतों ने कई बार माना है कि गरिमा,निष्पक्षता और उचित प्रक्रियाओं तक पहुंच जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता के अधिकार का अभिन्न अंग है। यदि किसी शिक्षक या छात्र को जाति आधारित भेदभाव का सामना करना पड़ता है और वह अनुसूचित जाति या जनजाति या फिर ओबीसी में नहीं आता, तो उसके पास बचाव का कोई कानून न होना प्रक्रियात्मक अन्याय है। बड़ी बात यह है कि यूजीसी गाइडलाइन की धाराएं आपस में ही मेल नहीं खातीं। नियम-2 वंचित समूहों के खिलाफ भेदभाव मिटाने की बात करता है, दूसरी ओर नियम-3(सी) न्याय के अधिकार को केवल कुछ जातियों तक सीमित कर देता है।

पिछले वर्ष फरवरी में यूजीसी ने नियमों का मसौदा संस्करण सार्वजनिक सुझावों के लिए जारी किया था। इसमें अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) को जाति-आधारित भेदभाव के दायरे से बाहर रखा गया था। मसौदा नियमों में यह भी प्रस्ताव था कि भेदभाव की झूठी शिकायतों को 'हतोत्साहित' किया जाए और इसके लिए जुर्माने का प्रविधान रखा गया था,लेकिन अंतिम अधिसूचित नियमों में झूठी शिकायतों से संबंधित प्रविधान हटा दिया। वास्तव में झूठी या दुर्भावनापूर्ण शिकायतों से निपटने वाले प्रविधानों को हटाना इस गाइडलाइन के लिए ढांचागत कमजोरी के रूप में सामने आया।

अखिल भारतीय उच्च शिक्षा सर्वेक्षण 2021-22 के अनुसार उच्च शिक्षा में 60 प्रतिशत विद्यार्थी आरक्षित वर्ग से थे। ऐसे में यह भी बे ा सवाल है कि इन 60 प्रतिशत विद्यार्थियों में ही कोई किसी का जाति आधारित भेदभाव करता है तो क्या होगा? इस पर ये नियम चुप हैं। जिस प्रकार अनुसूचित जाति/जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम,1989 और दहेज उत्पीड़न विरोधी धारा-498 ए के तहत कई बार ऐसे उदाहरण मिले हैं जहां झूठे या गलत मामले दर्ज कराए गए और निर्दोष फंसे, वैसा ही खतरा यूजीसी के समता नियमों में भी दिख रहा था। स्वयं सुप्रीम कोर्ट ने 2018 में इनके दुरुपयोग पर चिंता जताते हुए गिरफ्तारी से पहले प्राथमिक जांच सुझाए थे।

दुनिया भर के प्रसिद्ध विश्वविद्यालय और शिक्षण प्रणालियां भी विविधता और समानता के सिद्धांत अपनाती हैं। अमेरिका के प्रत्येक विश्वविद्यालय के पास एक स्वतंत्र इकाई होती है,जो भेदभाव या उत्पीड़न की शिकायतों की जांच करती है। इस जांच प्रक्रिया में शिकायतकर्ता और आरोपी,दोनों के अधिकारों का ध्यान रखा जाता है। जांच प्रोटोकाल में साक्ष्यों के मानक,अपील का अवसर, गोपनीयता आदि को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जाता है, ताकि न्याय हो भी और होता हुआ दिखे भी।

अक्सर वहां बाहरी या तटस्थ जांचकर्ता नियुक्त किया जाता है, रिपोर्ट लिखित रूप में तैयार होती है और दोनों पक्षों को अपना पक्ष रखने का पूरा मौका मिलता है। इसी तरह ब्रिटेन,आस्ट्रेलिया आदि की उच्च शिक्षण संस्थानों में भी एंटी-डिस्क्रिमिनेशन नीतियां सबके लिए समान होती हैं। कोई भी छात्र यदि उत्पीड़न झेलता है, चाहे वह अल्पसंख्यक समूह का हो या बहुसंख्यक का, उसके लिए शिकायत दर्ज करने और न्याय पाने का प्रविधान होता है।

कैंसर मौन महामारी,जागरूकता ही है सबसे बड़ा हथियार

योगेश कुमार गोयल
नजफगढ़,नई दिल्ली

लोगों को कैंसर होने के संभावित कारणों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से ही प्रतिवर्ष 4 फरवरी को 'विश्व कैंसर दिवस' मनाया जाता है। दरअसल आज भी लगभग सभी लोगों के लिए कैंसर एक ऐसा शब्द है,जिसे अपने किसी परिजन के लिए डॉक्टर के मुंह से सुनते ही परिवार के तमाम सदस्यों की सांसें गले में अटक जाती हैं और पैरों तले की जमीन खिसक जाती है। ऐसे में परिजनों को परिवार के उस अभिन्न अंग को सदा के लिए खो देने का डर सताने लगता है। बढ़ते प्रदूषण तथा पोषक खानपान के अभाव में यह बीमारी एक महामारी के रूप में तेजी से फैल रही है। भारत में तो कैंसर के करीब दो तिहाई मामलों का बहुत देर से पता चलता है और कई बार तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का मानना है कि हमारे देश में पिछले बीस वर्षों के दौरान कैंसर मरीजों की संख्या दोगुनी हो गई है और कैंसर से मौतों का आंकड़ा साल-दर-साल निरंतर बे रहा है। प्रतिवर्ष कैंसर से पीड़ित लाखों मरीज मौत के मुंह में समा जाते हैं।

हालांकि कुछ वर्ष पूर्व तक कैंसर को लाइलाज रोग माना जाता था लेकिन कुछ वर्षों में कैंसर के उपचार की दिशा में क्रांतिकारी खोजें हुई हैं और अब अगर समय रहते कैंसर की पहचान कर ली जाए तो उसका उपचार किया जाना काफी हद तक संभव हो जाता है। कैंसर के संबंध में यह समझ लेना बेहद जरूरी है कि यह बीमारी किसी भी उम्र में किसी को भी हो सकती है किन्तु अगर इसका सही समय पर पता लग जाए तो लाइलाज मानी जाने वाली इस बीमारी का उपचार अब संभव है। यही वजह है कि देश में कैंसर के मामलों को कम करने के लिए कैंसर तथा उसके कारणों के प्रति लोगों को जागरूक किए जाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है ताकि वे इस बीमारी,इसके लक्षणों और इसके भयावह खतरे के प्रति जागरूक रहें। कैंसर से लड़ने का सबसे बेहतर और मजबूत तरीका यही है कि लोगों में इसके प्रति जागरूकता हो,जिसके चलते जल्द से जल्द इस बीमारी की पहचान हो सके और शुरूआती चरण में ही इसका इलाज संभव हो। यदि कैंसर का पता शीघ्र लगा लिया जाए तो उसके उपचार पर होने वाला खर्च काफी कम हो जाता है। यही वजह है कि जागरूकता के जरिये इस बीमारी को शुरूआती दौर में ही पहचान लेना बेहद जरूरी माना गया है क्योंकि ऐसे मरीजों के इलाज के बाद उनके स्वस्थ एवं सामान्य जीवन जीने की संभावनाएं काफी ज्यादा होती हैं। हालांकि देश में कैंसर के इलाज की तमाम सुविधाओं के बावजूद अगर हम इस बीमारी पर लगाम लगाने में सफल नहीं हो पा रहे हैं तो इसके पीछे इस बीमारी का इलाज महंगा होना सबसे बड़ी समस्या है। वैसे देश में जांच सुविधाओं का अभाव भी कैंसर के इलाज में एक बड़ी बाधा है, जो बहुत से मामलों में इस बीमारी के देर से पता चलने का एक अहम कारण होता है।

यह जानना भी बहुत जरूरी है कि 'कैंसर' आखिर है क्या? जब हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता काफी कमजोर हो जाती है तो शरीर पर विभिन्न प्रकार की बीमारियां हमला करना शुरू कर देती हैं। ऐसी परिस्थितियों में कई बार शरीर की कोशिकाएं अनियंत्रित होकर अपने आप तेजी से विकसित और विभाजित होने लगती हैं। कोशिकाओं के समूह की इस अनियंत्रित वृद्धि को ही कैंसर कहा जाता हैं। जब ये कोशिकाएं टिश्यू को प्रभावित करती हैं तो कैंसर शरीर के अन्य हिस्सों में भी फैलने लगता है और कैंसर की यह स्थिति बहुत घातक हो जाती है। दुनिया भर में कैंसर से ले ने और इसे हराने के लिए निरन्तर चिकित्सीय खोजें हो रही हैं और इन प्रयासों के चलते ही अब कैंसर का शुरूआती चरणों में तो सफल इलाज संभव भी है। अगर शरीर में कैंसर होने के कारणों की बात की जाए तो हालांकि इसके कई तरह के कारण हो सकते हैं लेकिन अक्सर जो प्रमुख कारण माने जाते रहे हैं, उनमें मोटापा, शारीरिक सक्रियता का अभाव, व्यायाम न करना, ज्यादा मात्रा में अल्कोहल व नशीले पदार्थों का सेवन,पौष्टिक आहार की कमी इत्यादि इन कारणों में शामिल हो सकते हैं। कभी-कभार ऐसा भी होता है कि कैंसर के कोई भी लक्षण नजर नहीं आते किन्तु किसी अन्य बीमारी के इलाज के दौरान कोई जांच कराते वक्त अचानक पता चलता है कि मरीज को कैंसर है लेकिन फिर भी कई ऐसे लक्षण हैं, जिनके जरिये अधिकांश व्यक्ति कैंसर की शुरूआती स्टेज में ही पहचान कर सकते हैं।

कैंसर के लक्षणों में कुछ प्रमुख हैं, वजन घटते जाना,रक्त की कमी होना, निरन्तर बुखार बने रहना,शारीरिक थकान व कमजोरी,चक्कर आना,उल्टी होना,दौरे पड़ना शुरू होना,आवाज में बदलाव आना,सांस लेने में दिक्कत होना,खांसी के दौरान खून आना,लंबे समय तक कफ रहना और कफ के साथ म्यूकस आना, कुछ भी निगलने में दिक्कत होना,पेशाब और शौच के समय खून आना,शरीर के किसी भी हिस्से में गांठ या सूजन होना, माहवारी के दौरान अधिक स्राव होना इत्यादि। कीमोथैरेपी, रेडिएशन थैरेपी,बायोलॉजिकल थैरेपी, स्टेम सेल ट्रांसप्लांट इत्यादि के जरिये कैंसर का इलाज होता है किन्तु यह प्रायः इतना महंगा होता है कि एक गरीब व्यक्ति इतना खर्च उठाने में सक्षम नहीं होता। इसलिए जरूरत इस बात की महसूस की जाती रही है कि कैंसर के सभी मरीजों का इलाज सरकारी अस्पतालों में हो या निजी अस्पतालों में,सरकार ऐसे मरीजों के इलाज में यथासंभव आर्थिक सहयोग करे क्योंकि जिस तेजी से देश में कैंसर मरीजों की संख्या बढ़ रही है,उसे देखते हुए केवल सरकारी अस्पतालों के भरोसे कैंसर मरीजों के इलाज की कल्पना बेमानी ही होगी। इसके अलावा सबसे ज्यादा जरूरी यही है कि कैंसर को लेकर समाज में बड़े स्तर पर जागरूकता अभियान चलाएं जाएं।

बंधुत्व भाव से होगी जग में शांति,समृद्धि एवं खुशहाली

प्रमोद दीक्षित मलय
बांदा,उत्तरप्रदेश

हम सब मिलकर एक ऐसी दुनिया का निर्माण कर सकते हैं जो सभी के लिए समान अधिकारों और करुणा पर आधारित हो और एक मानव परिवार के रूप में शांति से रह सकें। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस यह कथन भारतीय मनीषा के बोधवाक्य वसुधैव कुटुम्बकम की अद्यतन व्याख्या ही है जिसमें एक शांत,सुखी,स्वस्थ,समृद्ध और तमाम भेद-भावों से मुक्त सुंदर दुनिया रचने की मार्मिक अपील समाहित है। सुंदर एवं समझ-बूझ भरी दुनिया बनाने का सपना केवल पारस्परिक बंधुत्व भाव से ही सम्भव है। समता मूलक ममता युक्त दुनिया कि निर्मिति प्रेम-स्नेह, सहयोग एवं भाईचारे की सामूहिक सामाजिक चेतना से ही सम्भव है। इसी भावना से प्रेरित होकर संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 21 दिसंबर,2020 को एक प्रस्ताव पारित कर 4 फरवरी को सम्पूर्ण विश्व में अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस के रूप में मनाने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ के सदस्य देशों,नागरिक संगठनों एवं आध्यात्मिक संस्थाओं को आमंत्रित किया,जिसका स्वागत विभिन्न देशों सहित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक-आध्यात्मिक संस्थाओं द्वारा किया गया और 4 फरवरी, 2021 को पहली बार अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस मना कर मानवता के पक्ष में दुनिया में कहीं भी किसी भी मनुष्य के प्रति रंग,नस्ल,भाषा,क्षेत्र,लिंग आदि के आधार पर भेदभाव न करने, मानवोचित गरिमामय व्यवहार करने तथा सहिष्णु समाज बनाने की प्रतिबद्धता व्यक्त किया।

यह संसार अत्यंत विशाल है। यहां विभिन्न संस्कृतियों को मानने-जीने वाला समुदाय युगों-युगों से निवास कर रहा है। इनमें परस्पर खान-पान एवं पहनावा, बोल-चाल एवं व्यवहार तथा आस्था,विश्वास एवं मान्यताओं में अंतर देखने को मिलता है। एक समुदाय के लिए उनके रीति-रिवाज एवं परम्परा अनुसार जो उचित,नैतिक एवं अनुकूल है, सम्भव है वह पद्धति दूसरे समुदाय के विश्वासों की धुरी पर अनैतिक,अनुचित एवं प्रतिकूल हो। ऐसी स्थिति में टकराव स्वाभाविक है,पर बेहतर समझ होने पर टकराव एवं द्वंद्व से बचते हुए और अपनी परम्पराओं का पालन करते हुए साथ-साथ न केवल रहा था सकता है बल्कि विकास के सामूहिक अवसर भी खोजे-बनाये जा सकते हैं। समुदायों की आस्था एवं विश्वास टकराव का हेतु न बनकर सामंजस्य एवं सौहार्द का सेतु बनें,यह बंधुत्व भाव के विकसित होने पर ही सम्भाव्य है। और इसके लिए आवश्यक है विवेकपूर्ण चिंतन-मनन और दूरदृष्टि,जो मानवता के फलक पर समभाव एवं सद्भाव के लिए सुंदर सुनहरे चित्र उकेर सके। सतत विकास और बौद्धिक प्रखरता के लिए मतभेद जरूरी हैं,किंतु हमारी असहमति किसी दूसरे पक्ष के जान-माल की हानि से संतुष्ट हो,यह बिलकुल निरर्थक एवं अव्यावहारिक है। असह मतियों से हमारे वैचारिक पृष्ठों पर उज्ज्वलता का आलोक बिखरना चाहिए,न कि अनिष्ट एवं अनय सोच के कलुष धब्बे। एक व्यक्ति एवं परिवार के रूप में प्रत्येक समुदाय एवं हममें से सभी सुखी, शांतिमय एवं समृद्ध होना चाहते हैं और यह तभी साकार हो सकेगा जब हम एक-दूसरे को सुखी-समुन्नत एवं प्रसन्न देखना चाहें। यह सहयोग,समन्वय, सहकार के सम्बल से किया जा सकता है,यही संस्कृति है। किंतु टकराव के रास्ते चलकर परस्पर लड़ते-झगड़ते और दूसरे को दुखी करके हम कभी अपना हित नहीं साधक सकते,यही विकृति है,अमानवीयता है। निर्णय हमें करना होगा कि हम किस पक्ष में खड़े होना चाहते हैं। निर्विवाद कहा जा सकता है,सभी मानवता के उद्यान में शीतल मलय बयार एवं सुगंधित सुमनों के सुरभित परिवेश में विचरण करना चाहते हैं।अंतरराष्ट्रीय मानव बंधुत्व दिवस यही भाव विकसित करने के लिए लोक जागरण करते हुए विभिन्न समुदायों एवं जन-जन को शांतिपूर्वक एक साथ रहने, एक-दूसरे के अधिकारों एवं गरिमा की रक्षा करने एवं मानवीय व्यवहार करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

बंधुत्व भावना केवल अन्यान्य समुदायों के साथ ही नहीं अपितु प्रथमतः अपने परिवारी जन,पड़ोसी,सहकर्मियों एवं अपरिचितों के प्रति हमारे व्यवहार को प्रभावित करता है। यह हमें सर्व समावेशी,सख्य, सहिष्णु एवं लचीला बनाता है, जिससे सांस्कृतिक विविधता की सहज स्वीकृति एवं अभिव्यक्ति का अनुकूल अवसर एवं जगह बनती है। यदि हम वैश्विक परिदृश्य देखें तो सर्वत्र हिंसा, अराजकता,आगजनी, युद्ध दृश्य दिखाई पड़ते हैं जो मानवता के लिए अभिशाप हैं। मुझे यूनेस्को का एक कथन स्मरण हो रहा है, चूंकि युद्ध मनुष्य के मन में उत्पन्न होते हैं, इसलिए शांति की रक्षा भी मनुष्य के मन में ही निर्मित होनी चाहिए। निश्चित रूप से युद्ध और शांति मानव मन रूपी सिक्के के दो पहलू हैं। विश्व के समस्त प्राणियों में मानव ही सर्वाधिक बुद्धिमान है। पर जब वह विवेकहीन हो स्वार्थ केंद्रित हो जाती है तो अनीति की पक्षधर बन मानवता के सुकोमल सुमनों को कुचलने लगती है। और तब यह दम्भ,अहंकार,हिंसा, बलात कब्जा,स्व श्रेष्ठताबोध और संसाधनों पर अपने एकाधिकार करने का प्रदर्शन बन जाती है। अनेकानेक उदाहरण जागतिक फलक पर वर्तमान हैं। इनसे मुक्ति का मार्ग भारतीय दर्शन के सूत्र सम्पूर्ण धरती एक परिवार पर आधारित मानवीय बंधुत्व भाव से ही निकलेगा।

सतही आरोपों की राजनीति

राहुल गांधी का गलवान राग

नरेंद्र सांवरिया

राहुल गांधी केवल कांग्रेस के नेता ही नहीं,लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष हैं। कम से कम

राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में तो उन्हें भारतीय सेनाओं के नैरेटिव के साथ खड़े होना चाहिए। दुर्भाग्य से वे ऐसा नहीं करते। वे चीन और पाकिस्तान को लेकर मोदी सरकार को तो घेरते हैं, लेकिन यह स्मरण नहीं रखते कि इन दोनों देशों ने भारतीय भूभाग पर तब अतिक्रमण किया, जब कांग्रेस सत्ता में थी।

गलवान में चीनी सेना के साथ खूनी टकराव के मामले में तत्कालीन सेनाध्यक्ष एमएम नरवणे की अप्रकाशित पुस्तक के कथित अंश का जैसा उल्लेख राहुल गांधी ने किया, उस पर हंगामा होना ही था। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने राहुल गांधी पर सदन को गुमराह करने का आरोप लगाते हुए कहा कि आखिर जो पुस्तक प्रकाशित ही नहीं हुई, उसका वह उल्लेख कैसे कर सकते हैं? गृह मंत्री अमित शाह ने भी इस मामले में हस्तक्षेप करते हुए उन पर गलतबयानी का आरोप लगाया, लेकिन वे टस से मस नहीं हुए। इसके बाद सदन में हंगामा हुआ और वह चल नहीं सका। इस पर कांग्रेस ने आरोप लगाया कि उनके नेता को सदन में बोलने से रोका गया। हंगामे के पहले राहुल गांधी ने जो कुछ कहा,उससे इतना तो स्पष्ट ही है कि वे यही सिद्ध करना चाहते थे कि मोदी सरकार ने चीनी सेना के अतिक्रमणकारी रवैये पर साहस नहीं दिखाया। राहुल गांधी कितनी तैयारी से आए थे, इसका पता इससे चलता है कि वे संदर्भ तो गलवन का देना चाहते थे,लेकिन उन्होंने उल्लेख डोकलाम का किया।

यह पहली बार नहीं है,जब राहुल गांधी ने यह कहने की कोशिश की हो कि प्रधानमंत्री मोदी चीन का डटकर मुकाबला करने से बचते हैं। वे मोदी सरकार को कमजोर दिखाने के लिए यह भी कहते रहे हैं कि चीन ने हमारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। वे यहां तक कह चुके हैं कि चीनी सेना ने भारतीय सैनिकों की पिटाई की थी। इसके लिए उन्हें सुप्रीम कोर्ट की फटकार भी सुननी पड़ी थी। इसके बाद भी वे यह समझने के लिए तैयार नहीं कि राष्ट्रीय सुरक्षा के मामले में सतही आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं करनी चाहिए।

सब जानते हैं कि गलवन में चीनी सेना को करारा जवाब मिला था और इसी कारण वह वार्ता की मेज पर आया और लद्दाख में कई इलाकों में यथास्थिति कायम हो पाई। इसे पूर्व सेनाध्यक्ष नरवणे भी एक नहीं कई बार सार्वजनिक तौर पर कह चुके हैं। जहां तक उनकी पुस्तक की बात है, तथ्य यही है कि अभी रक्षा मंत्रालय ने उसके प्रकाशन की अनुमति नहीं दी है। यह भी एक तथ्य है कि जिस पत्रिका ने इस पुस्तक के कथित अंश छापे हैं और उनकी अपने हिसाब से व्याख्या की है,वह आधे-अधूरे तथ्यों के साथ सनसनी फैलाने के लिए जानी जाती है।

जाति,धर्म अउ सम्प्रदाय के संगम मा हमर राजिम मेला

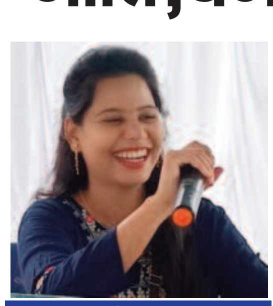

प्रिया देवांगन प्रियू
राजिम,गरियाबंद,छत्तीसगढ़

माँघ अउ फागुन के महीना हर लोगन मन बर बहुत ही खास रहिथे,अउ रही काबर नहीं,माँघी पुन्नी के मेला जे लगथे। अतेक बड़े कुम्भ के मेला राजीवलोचन धाम मा भराथे। जेन मनखे मन राजिम जइसे पवित्र स्थान मा रहिथे, तेखर भाग तो खुलबे करही। संगवारी हो, हमर राजिम के मेला-मैदान हर पन्द्रह दिन पहिली भराये के शुरू हो जाथे। ये मेला हर महाशिवरात्रि तक रहिथे।

देवत हावँव नेवता, आवव जुरमिल लोग।
दर्शन कर भगवान के, खाहु पीड़िया भोग।।

गदबद-गदबद मेला मैदान हर करत रहिथे। माँघ पुन्नी के दिन बड़े बिहनिया ले लोगन मन महानदी, पैरी अउ सोंढूर नदी के संगम मा स्नान कर के राजीवलोचन अउ कुलेश्वर महादेव मा जल चढ़ाथे,पूजा पाठ करथें। उही दिन ले मेला के शुरुआत घलो होथे। बड़े-बड़े झूला,सरकस, किसम-किसम के खाई-खजाना इही मेला मा तो देखे ला मिलथे। बाहिर ले लोगन मन आथें। बड़े-बड़े साधु-संत मन घलोक आश्रम मा विराजमान रहिथें।

सब ले बड़े खुशी के बात ये हरे कि आजकल के लोग-लइका मन अपन पढ़ई-लिखई मा अतेक व्यस्त रहिथें कि बाहरी दुनिया,मेला-मड़ई,पुरखौती जिनिस ला जानबे

नइ करँय। कुछू पूछ देबे त दाँत ला खीस ले निकाल देथें। जानबे नइ करय तेन काला बताहीं। पर ये मड़ई-मेला मनोरंजन,आपसी मेल-मिलाप ला जाने के बने साधन हरे।

मड़ई-मेला के समय जवान लागे न बुढ़ुवा सब अपन-अपन काम-बुता मा लगे रहिथें। माईलोगन ला तो फुरसद घलो नइ मिलय काखरो घर आये-जाये के। सियान मन घर मा सुत के पहा दिही,फेर काखरो घर नइ जावँय। कुछ काम रहिथे,तभे उँखर गो उसलथें।

जेन दिन ले मेला लगई शुरू होथे उही दिन ले लोगन घर सगा-सोदर के अवई-जवई शुरू हो जाथे। महाशिवरात्रि तक तो राजिम के सब घर मा सगा-सोदर मन के आगमन होवत रहिथे। घर वाले मन तो लोगन के जेवन-पानी के बेवस्था ला आघू ले कर के रखे रहिथें कि अई आज हमर फूफू मन आही,ता मोसी आही,ममा आही...। लोग लइका मन ला शुरू-शुरू मा बने लागथें,फेर दू-चार दिन बाद असकटा जाथें,काबर कि ओखर मन के दिनचर्या घलो बिगड़े जाथे पे ई-लिखई के। तेखर पाय हमर राजिम के स्कूल मन मा छूट्टी दे देथें,तेन बने लागथे।

लइका मन के धियान हर सरकस के भालू कोती रही कि पढ़ई-लिखई मा। ये बात घलो हरे कि आजकल सबझन हर अकेल्ला रहे के आदत बना डरे हे,तेखर पाय बनेच दिन बाद सब ले मिलई-जुलई होथे त बने लागथे। मेला-मड़ई मा अमीर लागे न गरीब, छोटे लागे न बड़े सब एक बरोबर रहिथें। जाति, धर्म, सम्प्रदाय,भाषा के भेदभाव बिल्कुल नइ रहय,तेन बढ़िया लागथे।

चारो कोती देख,
खुशी हर मन मा छाये।
माँघी पुन्नी रात,
दरश भगवन के पाये।।
करे नदी स्नान,
पाप जम्मो कट जाये।
जोहत रहिथे साल,
माँघ मेला कब आये।।

अइसे तो मेला दिन भर रहिथे,फेर जेन मजा संझा ले रतिहा बेरा तक घूमे के रहिथे,वो मजा बिहना मा नइ रहय। पहिली दिन तो घर के सियान मन लइका मन ला भेज देथें, जावव बाबू हो...काय-काय जिनिस आये हे तेन ला देख के आहू कहिके। लइका मन घलो अब्बड़ चतुरा,पहिली ले आगू ले घूम-घूम के आ जाय रहिथें,तभो ले हमन तो देखेच नइ हन कहिके निकल जाथें। दूसर दिन ले घर के जम्मो सगा-सोदर,माईलोगन, लइका-सियान मन जाथें। कोनो-कोनो लइका मन तो जब तक झूला बंद नइ होये,तब तक घूमते रहिथें,जानो-मानो उही मन मेला बंद करे के ठेका लेहे।

किसम-किसम के झूला तो हमर राजिम मेला मा आथें नवा-नवा डिजाइन के सियान मन ला तो ये सब देखके चक्कर आ जाथे। फेर युवा पीढ़ी अउ नान-नान लइका मन के तो इही मजा रहिथे। आकाश-झूला जेन अइसे लागथे के जानो-मानो,आसमान ला छू दिही। डोंगा-झूला मा तो डोंगा मा बइठे हस तइसे लागथे, ब्रेकडांस चलते-चलत झटका के साथ मुड़ जाथे। सावधानी के साथ झूले ला पड़थे,नहीं ते घेंच हर धर लेथे। फेर मेला भर घर ले निकलना मुश्किल हो जाथे। पेंडुलम झुला मा बइठबे त बिना सहारा के नइ बइठ सकस। येती-वोती गोल-गोल घूम के चारों मुड़ा फेकावत रहिथे। जतका ज्यादा उल्टा-पुल्टा,नवा-नवा झूला आथे,वतकी ओखर रेट रहिथे। पहिली तो पाँच रुपिया दे के मन भर झूल लेवत रहेंन। अब तो पाँच के जमाना ही खतम होगे। बिना सौ-पचास के टिकिट नइ मिलय। महंगाई घलो बो त जावत हे अउ झूलने वाला के जनसंख्या घलो बाढ़त हे। दूनों मा कोनो कमी नइ दिखय। नान-नान लइका मन बर घोड़ा,हाथी,ड्रैगन मन बने रहिथें। लइका मन खुश हो जाथें।

लोगन ला जब तक भी नइ होय राहय, तब तक मेला मा मजा नइ आवय। कुछू खाय ला मिले चाहे झन मिलय,पर धक्का-मुक्की जरूर खाय बर मिलथे। मेला मा खान-पान के सब ले खास जिनिस हरे लाई के ओखरा (मीठा लाई),पेठा,रखिया पाग ये जिनिस सब ले फायदेमन्द रहिथे । ये जिनिस ला मेला के विशेष मिठाई के रूप मा माने जाथे। मेला मा अइसन भी रहिथे। पाँव रखे के जगह नइ रहय। सरकस,मौत कुआँ,बड़े-बड़े क्राफ्ट बाजार लोगन के मन ला मोह लेथे। माईलोगन मन कुछू जिनिस नइ लेवन बोलथे फेर समान ला देख के मोहा जाथें,एक के जगह दू-चार जिनिस धर के लेगथें। किसम-किसम के जिनिस ला देख मन बड़ अच्छा लगथे। आजकल के लइका मन नइ जाने तेन ला जाने के मौका मिलथे। सुपा-पर्रा,बांस के बने खिलौना-हाथी, घोड़ा,ऊँट अउ मिट्टी के बर्तन,चीनी मिट्टी के बर्तन,लकड़ी के सामान वगैरा।

घूम घूम के खाव, लगे हे पुन्नी मेला।
पेठा गुपचुप चाट,
खड़े हे जम्मो ठेला।।
आवय घर घर लोग,
सगा सोदर संगवारी।
बाढ़य मया दुलार,
घूमथे पारी पारी।।

जेन लोगन ला मन्दिर दर्शन कर ना रहिथें,तेन बिहनिया चार बजे ले लाइन लगा लेथें। उहाँ घलो पाँव रखे के जगह नइ रहय। थोकिन सुरुज उए ले लोगन के कचाकच भीड़ उमड़े ला लगथे। जेकरे भाग बने रहिथे,तेने ला भगवान के दर्शन मिलथे,बाकी तो मनखे-मनखे एक-दूसर ल देख के आ जाथे। भीड़ मा न नरियल चघाय ल देवे,न पाँव परे ला। अगरबत्ती तो बहुत दूर के बात हरय,काखरो फूल हर भगवान तक नइ पहुँचे,काबर की बड़े जान बांस ला पहिली ले घेर दे रहिथे। जय भगवान-जय भगवान बोलो अउ आघू निकलो। फेर जाना चाही, मन्दिर मा पाँव रखे मात्र से ही भगवान के आशीर्वाद मिल जाथे; अइसे घर के सियान मन कहिथे।

कचाकच मेला भराय के समय नदिया मा भिखारी,लुटेरा अउ पाकिटमार के बनेच कमाई हो जाथे। साधु-संत मन तो बइठे ही रहिथें। फेर भिखारी अउ लुटेरा मन के साल भर के कमाई पन्द्रह दिन मा हो जाथे। चोर अउ पाकिटमार ले बच के रहना चाही। माईलोगन मन ला तो गहना पहिर के जाना ही नहीं चाही, नहीं ते फेर गहना नइ बाँचय। कतको पुलिस बेवस्था रहिथे,तभो ले पाकिट मार होथे ही।

मुक्तक : यूजीसी

ज्ञान - विज्ञानं विमुक्तये

त्रिशिका धरा
कानपुर,उत्तर प्रदेश

साहिब! हम ऋणी तुम्हारे,
तुमने राम का मंदिर बना दिया।
भगवा-ए-हिन्द किया तुमने,
तो हमने कमल खिला दिया।
हम पहले ही घायल थे,
आरक्षण की तलवार से।
अब सवर्ण को कासा देके उसी,
मंदिर के बाहर बिठा दिया।
तेरे वरदान से ही कलम चल रही,
ख्याति भी माँ तेरे वर से ही मिल रही,
रुत बसंती में खिलती है जैसे धरा,
वैसे तेरी कृपा से कला खिल रही।

सूचना
समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

अंबिकापुर में विधायक व सूरजपुर में सांसद के हाथों 'दैनिक घटती घटना' कैलेंडर का विमोचन

वार्षिक कैलेंडर जारीः जनप्रतिनिधियों ने सराही गुणवत्ता और लोकतांत्रिक सोच

दैनिक घटती-घटना का नया कैलेंडर लॉंच... अतिथियों ने कहा...आकर्षक व उपयोगी प्रकाशन

सांसद-विधायक ने किया कैलेंडर लोकार्पण, पत्रकारिता की भूमिका पर भी हुई चर्चा

- दो जिलों में भव्य विमोचन,कैलेंडर की डिजाइन और कंटेंट की जमकर तारीफ
- कैलेंडर के बहाने मीडिया की जिम्मेदारी और लोकतंत्र पर चर्चा
- 'दैनिक घटती-घटना' का वार्षिक कैलेंडर रिलीज,जनप्रतिनिधियों ने दी शुभकामनाएं
- लोकार्पण के साथ मिली सराहनाः गुणवत्ता और प्रस्तुति ने जीता दिल
- सूरजपुर से अंबिकापुर तक कैलेंडर विमोचन की गूंज,अतिथियों ने किया सम्मान

न्यूज डेस्क

अंबिकापुर/सूरजपुर,03 फरवरी 2026(घटती-घटना)

लोकप्रिय एवं जनपक्षधर समाचार पत्र दैनिक घटती घटना द्वारा तैयार किए गए वर्ष 2026 के वार्षिक कैलेंडर का विमोचन अंबिकापुर और सूरजपुर में गरिमामय समारोहों के बीच संपन्न हुआ। अलग-अलग जिलों में आयोजित कार्यक्रमों में जनप्रतिनिधियों,पत्रकारों और गणमान्य नागरिकों की उपस्थिति ने आयोजन को खास बना दिया। अंबिकापुर में विधायक प्रमोद मिंज तथा सूरजपुर में सांसद चिंतामणि महाराज के हाथों कैलेंडर का औपचारिक लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कैलेंडर की उत्कृष्ट गुणवत्ता, आकर्षक कलेवर और उपयोगी जानकारी की मुक्त कंठ से प्रशंसा करते हुए इसे आमजन के लिए बेहद उपयोगी प्रकाशन बताया।

वर्षभर की उपयोगी जानकारी से भरपूर कैलेंडर

दैनिक घटती-घटना द्वारा तैयार यह वार्षिक कैलेंडर केवल तिथियों का संकलन नहीं बल्कि वर्षभर मार्गदर्शन देने वाली जानकारी का संग्रह है। इसमें पर्व-त्योहार, राष्ट्रीय अवकाश, महत्वपूर्ण दिवस,सामाजिक सरोकार से जुड़े विशेष दिन और दैनिक जीवन से जुड़ी अनेक आवश्यक जानकारियों को सुव्यवस्थित ढंग से प्रस्तुत किया गया है। स्पष्ट फॉन्ट,संतुलित डिजाइन और आकर्षक लेआउट के कारण कैलेंडर लोगों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना रहा। अतिथियों ने कहा कि इसमें वह सभी जरूरी तत्व मौजूद हैं जो एक आदर्श कैलेंडर में होने चाहिए।

अतिथियों ने दी शुभकामनाएं, अखबार की कार्यशैली पर भी रखी बात

कार्यक्रम में अंबिकापुर महापौर मंजूषा भगत, भाजपा सरगुजा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया,भाजपा नेता अंबिकेश केसरी,रूपेश दुबे,भाजपा मीडिया प्रभारी संतोष दास,भाजपा नेता विकास वर्मा,रिंकू सहित कई जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने कैलेंडर के सफल प्रकाशन पर बधाई देते हुए कहा कि इसमें वह सभी जरूरी जानकारियां मौजूद हैं जो एक उपयोगी कैलेंडर में होनी चाहिए,महापौर मंजूषा भगत ने कैलेंडर की आकर्षक डिजाइन और बेहतर प्रस्तुति की सराहना की,वहीं जिला अध्यक्ष भरत सिंह सिसोदिया ने कहा कि समाचार पत्र समाज का आईना होते हैं और दैनिक घटती-घटना ने अपनी अलग पहचान बनाई है,भाजपा मीडिया प्रभारी संतोष दास ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में मीडिया की भूमिका को महत्वपूर्ण बताते हुए अखबार की कार्यशैली की प्रशंसा की।

सूरजपुर सर्किट हाउस में सांसद चिंतामणि महाराज ने किया विमोचन

सूरजपुर के सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में सांसद चिंतामणि महाराज ने कैलेंडर का विमोचन करते हुए कहा कि किसी भी प्रकाशन की पहचान उसकी गुणवत्ता और उपयोगिता से होती है, उन्होंने कैलेंडर की प्रस्तुति, तिथियों की स्पष्टता और आकर्षक डिजाइन की सराहना करते हुए कहा कि लोकतंत्र में मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और निष्पक्ष पत्रकारिता समाज को सही दिशा देने का काम करती है।

अंबिकापुर में विधायक प्रमोद मिंज के हाथों जारी हुआ कैलेंडर

अंबिकापुर सर्किट हाउस में आयोजित कार्यक्रम में विधायक प्रमोद मिंज ने कैलेंडर जारी करते हुए कहा कि स्थानीय स्तर पर इस तरह के प्रकाशन समाज और लोगों के बीच जुड़ाव का माध्यम बनते हैं, उन्होंने कैलेंडर की प्रिंट क्वालिटी,जानकारी की व्यवस्थित प्रस्तुति और आकर्षण को सराहनीय बताया। विधायक ने कहा कि अखबार समाज के मुद्दों को सामने लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और लोकतांत्रिक व्यवस्था को मजबूत करने में उनका योगदान अहम है।

अतिथियों की प्रतिक्रिया....

'कैलेंडर में सभी जरूरी जानकारियां व्यवस्थित रूप से दी गई हैं, इसका डिजाइन और प्रिंट क्वालिटी भी बेहद आकर्षक है,टीम को इसके लिए बधाई।' और कहा की कहा कि सरगुजा आंचल का दैनिक घटती घटना आज एक प्रमुख और विश्वसनीय समाचार पत्र के रूप में स्थापित हो चुका है। उन्होंने कहा कि इस अखबार में प्रकाशित खबरें गुणवत्ता और विशेषता के साथ प्रस्तुत होती हैं और कई बार इसकी रिपोर्टिंग किसी राष्ट्रीय स्तर के अखबार से कम नहीं लगती।

मंजूषा भगत,महापौर अंबिकापुर

'समाचार पत्र समाज का आईना होता है और दैनिक घटती-घटना ने अपनी अलग पहचान बनाई है। कैलेंडर का प्रकाशन सराहनीय पहल है।' दैनिक घटती-घटना की खबरें अब केवल संभाग तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि देशभर में पढ़ी और सराही जा रही हैं। उन्होंने कहा कि अखबार ने हर वर्ग की आवाज बनने का काम किया है—चाहे राजनीतिक पक्ष हो या विपक्ष, सामाजिक मुद्दे हों या आम जनता की समस्याएं,सभी को निष्पक्ष रूप से मंच देने का प्रयास किया जाता है।

भारत सिंह सिसोदिया,भाजपा जिला अध्यक्ष सरगुजा

'लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने में मीडिया की अहम भूमिका है। दैनिक घटती घटना की कार्यशैली और जनसरोकार से जुड़ी पत्रकारिता प्रेरणादायक है।'

संतोष दास,भाजपा मीडिया प्रभारी

'कैलेंडर का लेआउट,तिथियां और प्रस्तुति बेहद प्रभावी है। यह आम लोगों के लिए उपयोगी साबित होगा।' जनप्रतिनिधियों ने यह भी कहा कि अपनी मजबूत खबरों और जनसरोकार से जुड़े विषयों के कारण दैनिक घटती घटना प्रदेश के लोकप्रिय अखबारों में तेजी से शामिल होता जा रहा है। उन्होंने अखबार की टीम को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी यह समाचार पत्र इसी तरह लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करते हुए समाज की आवाज बनकर आगे बढ़ता रहेगा।

अंबिकेश केसरी / विकास वर्मा (भाजपा नेता)

लोकतांत्रिक मजबूती पर भी हुई चर्चा

विमोचन कार्यक्रम के दौरान अतिथियों ने कहा कि मीडिया केवल खबरों का माध्यम नहीं बल्कि समाज और लोकतंत्र के बीच संवाद का सेतु है, दैनिक घटती-घटना द्वारा प्रकाशित कैलेंडर न केवल तिथियों और जानकारी का संग्रह है बल्कि यह अखबार की सामाजिक प्रतिबद्धता और जनहित की सोच को भी दर्शाता है,कार्यक्रम के अंत में अतिथियों ने अखबार परिवार को शुभकामनाएं देते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में भी दैनिक घटती-घटना इसी तरह निष्पक्ष पत्रकारिता और जनसरोकार से जुड़े विषयों को प्राथमिकता देता रहेगा। वर्ष 2026 के कैलेंडर का यह विमोचन कार्यक्रम केवल एक औपचारिक आयोजन नहीं रहा,बल्कि जनतंत्र,पत्रकारिता और सामाजिक उत्तरदायित्व का सामूहिक उत्सव बन गया। 'दैनिक घटती-घटना' ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि वह केवल समाचार पत्र नहीं,बल्कि जनता की आवाज और लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ है।

डांट के डर से घर में छिपी 6 साल की बच्ची,तीन घंटे बाद सुरक्षित मिली

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

मणिपुर थाना क्षेत्र में सोमवार शाम 6 वर्षीय बालिका के अचानक लापता हो जाने से परिजनों में हड़कंप मच गया। देर रात पुलिस को सूचना मिलने के बाद शुरू हुई तलाश के लगभग तीन घंटे बाद बच्ची अपने ही घर में सुरक्षित मिल गई। बच्ची तीसरी मंज़िल पर सीढ़ियों के पास रखी प्लास्टिक बोरी के अंदर छिपी हुई थी। परिजनों के अनुसार,सोमवार शाम करीब 6 बजे बच्ची घर में नजर नहीं आई। पहले परिजनों ने घर और आसपास खोजबीन की, लेकिन जब देर रात तक कोई सुराग नहीं मिला तो रात करीब 10 बजे मणिपुर थाने में सूचना दी गई। पुलिस ने गुम इंसान दर्ज कर तुरंत तलाश शुरू कर दी।

तीन घंटे की तलाश के बाद घर की तलाशी

लगातार तलाश के बावजूद जब बच्ची का पता नहीं चला, तो पुलिस ने घर की बारीकी से तलाशी ली। इस दौरान घर के तीसरे तल पर सीढ़ियों के पास रखी प्लास्टिक बोरी संदिग्ध लगी। जांच करने पर बच्ची बोरी के अंदर कंबल और चादर ओढ़े हुई मिली। बच्ची के सकुशल मिलने पर परिजन और पुलिस ने राहत की सांस ली।

फिटनेस कोर्स के दौरान हादसा...ड्यूटी पर तैनात वरिष्ठ आरक्षक की सड़क दुर्घटना में मौत

-संवाददाता-

अम्बिकापुर, 03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

अंबिकापुर-मनेंद्रगढ़ राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 43 पर सोमवार रात हुए सड़क हादसे में बिश्रामपुर थाने में पदस्थ वरिष्ठ आरक्षक अभय पांडेय की दर्दनाक मौत हो गई। हादसा 10वीं वाहिनी बटालियन सिलफिली के समीप रात करीब 8.30 बजे हुआ, जब अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक को चपेट में ले लिया। इस घटना से पुलिस विभाग में शोक की लहर दौड़ गई। सरगुजा संभाग के पुलिसकर्मियों के लिए वर्तमान में विभिन्न प्रशिक्षण केंद्रों में फिटनेस कोर्स संचालित किया जा रहा है। सूरजपुर जिले के ग्राम पंचायत पचिरा निवासी वरिष्ठ आरक्षक अभय पांडेय भी 10वीं वाहिनी बटालियन में फिटनेस प्रशिक्षण ले रहे थे। सोमवार रात वे बाइक से सिलफिली बाजार दैनिक उपयोग का सामान खरीदने जा रहे थे। इसी दौरान एनएच-

43 पर बटालियन के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी,जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने संभाली स्थिति

घटना की सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस और 10वीं वाहिनी के पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। शव को देर रात मरच्यूरी में रखवाया गया। मंगलवार सुबह पंचनामा और पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंपा गया। जयनगर पुलिस ने 10वीं वाहिनी के आरक्षक राजेंद्र सिंह की रिपोर्ट पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

विभाग और परिवार में शोक

वरिष्ठ आरक्षक अभय पांडेय 2006 बैच के आरक्षक थे। वे अपने पीछे माता-पिता,पत्नी, एक पुत्र और एक पुत्री सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके निधन से परिवार के साथ-साथ पुलिस विभाग को भी अपूरणीय क्षति हुई है। अंतिम संस्कार में बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी और परिजन उपस्थित रहे।

सामाजिक पहचान भी थी...

अभय पांडेय गौ रक्षा वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष मनोज पांडेय तथा होटल व्यवसायी प्रवीण पांडेय (भोलू) के छोटे भाई थे। उनके असमय निधन से क्षेत्र में भी शोक व्याप्त है।

श्रद्धालुओं से भरी बस को ट्रक ने मारी टक्कर,एक की मौत,14 घायल

-संवाददाता-

अम्बिकापुर,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।

रायगढ़ जिले के तमनार से बनारस जा रही श्रद्धालुओं से भरी एक बस को सूरजपुर जिले के लटोरी चौकी अंतर्गत ग्राम गंगापुर के पास पीछे से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। टक्कर के बाद बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में 14 यात्री घायल हो गए, जिनमें एक श्रद्धालु की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार,तमनार (रायगढ़) से करीब 15 श्रद्धालु बस में सवार होकर बनारस दर्शन के लिए निकले थे। मंगलवार सुबह करीब 4 बजे बस अंबिकापुर पार कर अंबिकापुर-बनारस मार्ग पर ग्राम गंगापुर के पास पहुंची ही थी कि पीछे से आ रहे ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बस सड़क किनारे पेड़ से जा भिड़ी। हादसे में बस में सवार 5 महिलाओं समेत 14 यात्री घायल हो गए। इनमें से 7 की हालत गंभीर बताई जा रही है। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और ग्रामीण मौके पर पहुंचे और घायलों को बस से बाहर निकालकर मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर पहुंचाया गया। इलाज के दौरान 50 वर्षीय श्रद्धालु कोटिमा की मौत हो गई। शेष घायलों का मेडिकल कॉलेज अस्पताल में इलाज जारी है।

मनरेगा पर घमासान....कांग्रेस का कलेक्ट्रेट घेराव,सरकार पर 'हक छीनने' का आरोप

मजदूरी,रोजगार और राजनीति-मनरेगा आंदोलन में कांग्रेस की ताकत का प्रदर्शन

- संख्याबल की परीक्षा में कांग्रेस पास,बैकुंठपुर में दिखी बड़ी भीड़
- मनरेगा बचाओ के नाम पर कांग्रेस की सियासी ताकत का प्रदर्शन
- मनरेगा के मुद्दे पर कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शनः कोरिया कलेक्ट्रेट घेराव में दिखा बड़ा संख्याबल
- मनरेगा बचाओ आंदोलन : बैकुंठपुर में कांग्रेस का घेराव,सरकार पर श्रमिक विरोधी फैसलों का आरोप
- कांग्रेस का कलेक्ट्रेट मार्च सफल,संख्याबल से साधा सियासी संदेश

-रवि सिंह-

कोरिया,02 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। मनरेगा बचाओ आंदोलन के तहत कांग्रेस द्वारा आयोजित कलेक्टर कार्यालय कोरिया घेराव कार्यक्रम को पार्टी नेताओं ने सफल बताया है। कांग्रेस की आमसभा छिंदडांड में आयोजित हुई, जिसके बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालते हुए कलेक्ट्रेट पहुंचकर राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं की मौजूदगी रही और बताया जाता है कि प्रदर्शन के दौरान एक बैरिकेड पार करने में भी कांग्रेसी सफल रहे।

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आह्वान पर चल रहे 'मनरेगा बचाओ संग्राम' अभियान के तहत जिला कांग्रेस कमेटी कोरिया द्वारा मंगलवार को जिला मुख्यालय बैकुंठपुर में व्यापक धरना-प्रदर्शन,आमसभा और कलेक्टर कार्यालय घेराव कार्यक्रम आयोजित किया गया, कांग्रेस नेताओं ने दावा किया कि कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता,जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मजदूर शामिल हुए तथा प्रदर्शनकारियों ने एक बैरिकेड पार कर प्रशासन तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश भी की। पूरे कार्यक्रम के दौरान मनरेगा से जुड़े मुद्दों को लेकर केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों पर तीखे राजनीतिक आरोप लगाए गए।

संख्याबल पर दो नेताओं की सक्रियता चर्चा में...

कांग्रेस के अंदरूनी हलकों में आंदोलन के संख्याबल को लेकर भी चर्चा रही,पार्टी कार्यकर्ताओं का कहना है कि कार्यक्रम की सफलता के लिए बड़ी संख्या में लोगों की उपस्थिति जरूरी थी,जिसमें पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष बैकुंठपुर अशोक जायसवाल और पूर्व विधायक गुलाब कमरो की सक्रियता अहम रही, सूत्रों के अनुसार,बैकुंठपुर क्षेत्र से अशोक जायसवाल के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पहुंचे, वहीं सोनहत क्षेत्र से पूर्व विधायक गुलाब कमरो के समर्थकों की भी अच्छी मौजूदगी देखने को मिली। जनपद अध्यक्ष बैकुंठपुर उदय सिंह ने भी अपने स्तर पर लोगों को आंदोलन स्थल तक लाने में भूमिका निभाई।

निष्कासित कांग्रेसियों की मौजूदगी पर भी चर्चाएं

कार्यक्रम के दौरान कांग्रेस के अंदर कुछ राजनीतिक चर्चाएं भी सामने आई, पार्टी से जुड़े कुछ कार्यकर्ताओं के बीच यह चर्चा रही कि पूर्व विधायक बैकुंठपुर ने निष्कासित कांग्रेसियों के सहयोग से भी आंदोलन में संख्याबल बढ़ाने की कोशिश की,हालांकि इस संबंध में आधिकारिक तौर पर कोई बयान सामने नहीं आया, लेकिन कार्यकर्ताओं के बीच इस विषय को लेकर चर्चा जरूर होती रही,बताया जा रहा है कि जिन निष्कासित नेताओं की बात हो रही है,उन्हें लेकर पहले भी पार्टी के अंदर मतभेद रहे हैं और कुछ चुनावों में हार के कारणों को लेकर भी अलग-अलग राय सामने आती रही है। हालांकि आंदोलन के मंच से इस मुद्दे पर कोई औपचारिक टिप्पणी नहीं की गई।

छिंदडांड में आमसभा,फिर कलेक्ट्रेट की ओर कूच

कार्यक्रम की शुरुआत छिंदडांड में आयोजित आमसभा से हुई,जहां विभिन्न नेताओं ने मनरेगा की वर्तमान स्थिति,मजदूरों की समस्याओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ रहे प्रभाव को लेकर विस्तार से अपनी बात रखी। सभा के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रैली निकालते हुए कलेक्टर कार्यालय की ओर कूच किया और राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन सौंपा। इस दौरान 'मनरेगा बचाओ' और 'मजदूरों को हक दो' जैसे नारे लगाए गए।

सरकार पर मनरेगा कमजोर करने का आरोप

धरना प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने आरोप लगाया कि वर्तमान सरकार मनरेगा को धीरे-धीरे कमजोर कर रही है। उनका कहना था कि मजदूरों को समय पर रोजगार और भुगतान नहीं मिल रहा, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक संकट बढ़ रहा है। कांग्रेस नेताओं ने इसे 'श्रमिक विरोधी नीति' बताते हुए सरकार से तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने की मांग की।

कानूनी गारंटी से सामान्य योजना तक : अम्बिका सिंह देव कार्यक्रम की मुख्य वक्ता पूर्व विधायक अम्बिका सिंह देव ने कहा कि मनरेगा पहले एक मजबूत कानूनी अधिकार था, लेकिन अब इसे केवल योजना बनाकर श्रमिकों के अधिकार कमजोर कर दिए गए हैं।

गुलाब कमरो का हमलाः 'योजनाबद्ध तरीके से खत्म की जा रही मनरेगा '

पूर्व विधायक गुलाब कमरो ने अपने संबोधन में कहा कि मनरेगा केवल रोजगार योजना नहीं बल्कि गरीबों और किसानों की जीवनरेखा है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार योजनाबद्ध तरीके से इसे खत्म करना चाहती है। कमरो ने चेतावनी दी कि कांग्रेस पार्टी मजदूरों के हक के लिए आंदोलन को और तेज करेगी।

जिलाध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने उठाए स्थानीय मुद्दे

जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रदीप गुप्ता ने कहा कि कोरिया जिले सहित प्रदेश के कई हिस्सों में मजदूरों की मजदूरी महीनों से लंबित है। उन्होंने कहा कि मजदूरी दर जीवनयापन के अनुरूप नहीं है और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम होते जा रहे हैं। उन्होंने सरकार से मनरेगा को मजबूत करने और भुगतान व्यवस्था सुधारने की मांग की।

उन्होंने महंगाई का हवाला देते हुए दैनिक मजदूरी दर 261 रुपये से बढ़ाकर 400 रुपये करने की मांग उठाई। उनके अनुसार, यदि मजदूरों को समय पर भुगतान और पर्याप्त काम नहीं मिला तो ग्रामीण आजीविका पर गंभीर असर पड़ेगा।

प्रदेश और जिला स्तर के नेताओं ने रखे अपने विचार

- प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मनरेगा प्रभारी जेपी श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि मनरेगा की कार्यप्रणाली में बदलाव से ग्राम सभा की भूमिका कम हो गई है।
- वरिष्ठ नेता योगेश शुक्ला ने कहा कि मनरेगा को कांग्रेस ने कानून बनाकर हर हाथ को काम देने का प्रयास किया था, जिसे अब कमजोर किया जा रहा है।
- ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष बिहारी लाल राजवाड़े ने आरोप लगाया कि कई गांवों में मजदूरों को काम नहीं दिया जा रहा और मशीनों से कार्य कराए जा रहे हैं।
- वहीं कांग्रेस नेता शैलेन्द्र सिंह ने बजट कटौती और तकनीकी प्रक्रियाओं को बढ़ाने को गरीब विरोधी नीति बताया।

तकनीकी प्रक्रियाओं और ऑनलाइन हाजिरी पर भी सवाल

- पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष वेदांती तिवारी ने कहा कि ऑनलाइन हाजिरी और जटिल प्रक्रियाओं के कारण अनपढ़ मजदूरों को परेशानी हो रही है।
- सांसद प्रतिनिधि अविनाश पाठक ने सोनहत जैसे वनांचल क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि वहां मनरेगा ही ग्रामीणों की आजीविका का मुख्य आधार है और भुगतान में देरी से आदिवासी समुदाय प्रभावित हो रहा है।
- युवा कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र साहू ने कहा कि गलत नीतियों के कारण मजदूर पलायन करने को मजबूर हैं और यदि भुगतान व पारदर्शिता में सुधार नहीं हुआ तो आंदोलन उग्र रूप ले सकता है।

ज्ञापन सौंपकर खत्म हुआ कार्यक्रम

धरना-प्रदर्शन और आमसभा के बाद कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर कार्यालय का घेराव कर मनरेगा से संबंधित मांगों का ज्ञापन सौंपा, कार्यक्रम में पूर्व जनप्रतिनिधि, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयूआई और पार्टी के विभिन्न प्रकोष्ठों के सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दामाद संस्कृति या प्रशासनिक संरक्षण?

शिवप्रसादनगर मामला आग की तरह फैलता सवाल

- शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्रः क्या प्रशासन के 'दामाद' हैं समिति प्रबंधक और कथित धान माफिया?
- घोटाला या गठजोड़? शिवप्रसादनगर में धान से ज्यादा भारी प्रशासन की चुप्पी
- सब जानते हैं...पर कोई मानता नहीं: शिवप्रसादनगर धान घोटाले पर सत्ता की चुप्पी
- अगर घोटाला नहीं है,तो जांच से डर क्यों? धान खरीदी नहीं,सबूतों की सफाई हुई
- किसान लुटा,सिस्टम मौनः धान घोटाले की असली कहानी,जहां अंधेरा किया जाता है,वहां सच्चाई दिखती नहीं...
- बारदाना बोला नहीं,इसलिए रात में हटा दिया गया?
- घोटाला धान का नहीं,हिम्मत का है,कानून सो गया,घोटाला जाग गया
- शिवप्रसादनगरः जांच नहीं होगी,यह भी तय है? घोटाला सबको दिखा,प्रशासन को नहीं!
- 6000 बारदाना,एक रात,और सन्नाटा

-ओंकार पाण्डेय-

सूरजपुर,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। जिला सूरजपुर का शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र इन दिनों किसी अच्छी व्यवस्था या किसानों को राहत देने के लिए नहीं, बल्कि करोड़ों के कथित धान घोटाले को लेकर सुर्खियों में है, सवाल अब केवल घोटाले का नहीं, बल्कि उस संरक्षण का है, जिसने अब तक प्रशासन को भी मौन साधने पर मजबूर कर दिया है।

घोटाला सबको दिख रहा,पर प्रशासन को नहीं?

शिवप्रसादनगर क्षेत्र का शायद ही कोई किसान होगा जिसे यह न पता हो कि इस धान खरीदी केंद्र में बड़े पैमाने पर गड़बड़ी हुई है, धान की वास्तविक खरीदी कम,टोकन और एंट्री ज्यादा यही वजह है कि यहां हजारों की संख्या में बारदाना बचा, इसके बावजूद प्रशासन यह मानने को तैयार नहीं कि यहां कोई घोटाला हुआ है, अब सवाल उठना लाजिमी है की कौन सी शक्ति है जो इस घोटाले को ढाल बनकर बचा रही है? राजनीतिक? प्रशासनिक? या फिर पैसों की ताकत?

'प्रशासन के दामाद' होने की चर्चा क्यों?- स्थानीय स्तर पर अब यह सवाल खुलेआम पूछा जा रहा है कि क्या समिति प्रबंधक,धान खरीदी केंद्र प्रभारी और कथित धान माफिया प्रशासन के दामाद हैं? यह सवाल यूं ही नहीं उठ रहा, बल्कि इसलिए उठ रहा है क्योंकि दो बार सत्यापन हुआ, शिकायतें ऊपर तक पहुंचीं,बिना नाम की गोपनीय शिकायतें भी गईं, फिर भी न जांच हुई,न कार्रवाई इस चुप्पी ने प्रशासन को ही संदेह के घेरे में ला खड़ा किया है।

खरीदी बंद होते ही 'सबूत मिटाओ अभियान' शुरू?

धान खरीदी केंद्र में खरीदी की अंतिम तिथि 30 जनवरी 2026 थी,इसके बाद अब केवल धान उठाव होना था,लेकिन सूत्रों के अनुसार,धान उठाव से पहले ही सबूत मिटाने का काम शुरू हो गया, 2 फरवरी 2026 की रातः 6000 बारदाना 'गायब ',सूत्रों से मिली सनसनीखेज जानकारी के अनुसार 2 फरवरी 2026 की रात शिवप्रसादनगर धान खरीदी केंद्र से 6000 से अधिक बारदाना चोरी-छिपे बाहर निकाला गया,रात 9:55 बजे एक पिकअप वाहन समिति में प्रवेश करता है, रात 10:27 बजे वही पिकअप बाहर निकलता है, जब गाड़ी अंदर जाती है–लाइट चालू, जब गाड़ी बाहर निकलती है–मरकरी सहित पूरे परिसर की लाइट बंद क्यों? क्या यह इसलिए किया गया ताकि सीसीटीवी कैमरे में वाहन कैद न हो, यदि प्रशासन चाहे तो सीसीटीवी फुटेज,समय,वाहन की मूवमेंट,सब कुछ जांचा जा सकता है, पर बड़ा सवाल यही है– क्या प्रशासन जांच करना चाहता भी है?

10 हजार बारदाना क्यों थे अतिरिक्त?

सूत्र बताते हैं कि धान की वास्तविक खरीदी नहीं हुई,पर टोकन काटे गए,एंट्री की गई,इसी वजह से केंद्र में 10,000 से अधिक बारदाना बच गया,यदि यह बारदाना प्रशासन के हाथ लग जाता,तो पूरा घोटाला कागजों से बाहर आ जाता, इसी डर में,2 फरवरी की रात बारदाना 'ठिकाने' लगा दिया गया।

खबरें छपीं,सबूत दिए गए... फिर भी सन्नाटा

इस पूरे मामले में कई बार खबरें प्रकाशित हुई तथ्य दिए गए, समय, तारीख, तरीका बताया गया,लेकिन प्रशासन ने कान में रूई,आंखों पर पट्टी बांध रखी है। अब यह चुप्पी अज्ञान नहीं, सहमति जैसी दिखने लगी है।

सवाल जो अब दबाए नहीं जा सकते...

- क्या प्रशासन घोटाला मान चुका है,पर कार्रवाई नहीं करना चाहता?
- क्या कोई 'अदृश्य शक्ति' जांच से रोक रही है?
- क्या जांच की हिम्मत किसी में नहीं,या सब नतमस्तक हैं?
- अगर यही हाल रहा,तो किसान न्याय की उम्मीद किससे करे?

सुप्रीम कोर्ट के आदेशों पर भौंकता अंधविश्वास...
जहां बाबुओं के ग्रह बचें, वहां जनता की सुरक्षा जाए!

विद्यालयों से कुत्ते भगाओ, दफ्तर में पालोः कोरिया डीईओ कार्यालय का दोहरा चेहरा

शिक्षकों को आदेश,खुद दफ्तर में कुत्ता राजः कोरिया डीईओ कार्यालय में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश बेअसर

कुर्सियों पर कुत्ते, फाइलों में कानूनः जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का हाल

ग्रह-नक्षत्र के नाम पर सरकारी दफ्तर में आवारा कुत्तों का संरक्षण!

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश फेल,कोरिया डीईओ कार्यालय में आवारा कुत्तों की भरमार

शासन के निर्देशों की अनदेखी,कार्यालय परिसर में खुलेआम पाले जा रहे आवारा कुत्ते

-रवि सिंह-
बैकुंठपुर,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया इन दिनों शिक्षा नीति, शैक्षणिक गुणवत्ता या शिक्षकों की समस्याओं के लिए नहीं,बल्कि आवारा कुत्तों के सुरक्षित आश्रय स्थल के रूप में चर्चित है।

यह कोई पशु-प्रेम केंद्र नहीं, न ही नगर निगम का शेल्टर होम–फिर भी यहां दर्जनों आवारा कुत्ते पूरे शान से सरकारी कुर्सियों पर विराजमान दिखाई देते हैं। बता दे की कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी कोरिया में एक गंभीर और चौंकाने वाली प्रशासनिक लापरवाही सामने आई है, शासन के स्पष्ट निर्देशों और सार्वजनिक सुरक्षा से जुड़े दिशा-निर्देशों के बावजूद जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में दर्जनों की संख्या में आवारा कुत्तों का खुलेआम विचरण किया जा रहा है, जिससे कार्यालय आने वाले शिक्षक,कर्मचारी एवं आम नागरिक स्वयं को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं, यह मामला केवल आवारा कुत्तों का नहीं,बल्कि प्रशासनिक लापरवाही, दोहरे मापदंड और जवाबदेही के पतन का प्रतीक है, शिक्षा विभाग अगर खुद अपने कार्यालय को सुरक्षित नहीं रख सकता, तो वह स्कूलों में अनुशासन और सुरक्षा की क्या मिसाल देगा?

उठते सवाल...
- क्या जिला शिक्षा अधिकारी को इस स्थिति की जानकारी नहीं है?
- क्या एक कार्यालयीन कर्मचारी शासन के निर्देशों से ऊपर है?
- यदि किसी को चोट या नुकसान होता है तो जिम्मेदारी कौन लेगा?
- क्या प्रशासन इस मामले में संज्ञान लेगा या इसे नजरअंदाज किया जाएगा?

'बड़े बाबू' का संरक्षण और ग्रह-नक्षत्र का तर्क
सूत्रों की मानें–और यह बात कार्यालय से जुड़ा लगभग हर व्यक्ति जानता है–कि इन आवारा कुत्तों को एक कार्यालयीन बाबू का खुला संरक्षण प्राप्त है,बताया जाता है कि उक्त बाबू की मान्यता है कि कुत्तों को पालने से ग्रह-नक्षत्र स्थिर रहते हैं,अब यह ग्रह-नक्षत्र क्यों और कैसे बिगड़ सकते हैं,यह तो वही जानें,लेकिन इतना तय है कि इस अंधविश्वास की कीमत सार्वजनिक सुरक्षा चुका रही है।

दर्जनों कुत्ते,अब पूरा कुनबा
स्थिति यहां तक पहुंच चुकी है कि कार्यालय में कुत्तों की संख्या दर्जनों में दिखाई देना आम बात हो गई है,केवल यही नहीं,अब इन कुत्तों का पूरा कुनबा जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में निश्चिंत होकर निवास कर रहा है,इनके छोटे-छोटे बच्चे भी अब दहाई के आंकड़े को छू चुके हैं,जिससे आने वाले समय में खतरा और बढ़ने की आशंका है।

हर कमरे में बेरोकटोक आवाजाही,लोगों पर गुर्राहट
ये आवारा कुत्ते सिर्फ कुर्सियों तक सीमित नहीं हैं, वे कार्यालय के हर कमरे में निडर होकर चले जाते हैं,प्रतिदिन सैकड़ों की संख्या में आने वाले शिक्षक,पालक,व्यापारी,नेता और पत्रकारों को देखकर कई बार ये कुत्ते गुर्राते हुए भी नजर आते हैं,जिससे किसी भी समय अप्रिय घटना की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता।

खतरे की आदत डाल चुका कार्यालय
चिंताजनक तथ्य यह है कि इस संभावित खतरे से कार्यालय का अधिकारी-कर्मचारी वर्ग पूरी तरह निश्चिंत दिखाई देता है,वजह साफ है–वे इन कुत्तों को इस तरह घूमते देखने के आदी हो चुके हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या आदत पड़ जाना खतरे को खत्म कर देता है?

दरबान की कुर्सी पर कुत्ता!
ताजा तस्वीर जिला शिक्षा अधिकारी के कक्ष के सामने की बताई जा रही है,यह वही कुर्सी है,जिस पर कभी दरबान बैठता है या फिर बाहर से मिलने आए शिक्षक,पालक,नेता,पत्रकार या व्यापारी बैठते हैं,आज उसी कुर्सी पर आवारा कुत्ता विराजमान है–और यही तस्वीर पूरे मामले की सच्चाई बयां करने के लिए काफी है।

शिक्षकों को ज्ञान,दफ्तर में कुत्तों को सम्मान
विडंबना देखिए यही विभाग स्कूलों को आदेश जारी करता है कि आवारा कुत्तों को परिसर से बाहर भगाया जाए,और दूसरी ओर खुद के कार्यालय में कुत्तों को,कभी बाहर रखी कुर्सियों पर,तो कभी बाबुओं की कुर्सियों पर आराम फरमाते हुए देखा जा सकता है,लगता है शिक्षा विभाग ने अनुशासन की परिभाषा बदल दी है शिक्षकों के लिए नियम,कार्यालय के लिए छूट! सबसे बड़ा विरोधाभास यह है कि यही विभाग स्कूल परिसरों में आवारा कुत्तों को भगाने के निर्देश शिक्षकों को जारी करता है,लेकिन अपने ही कार्यालय में इन कुत्तों को खुले संरक्षण में रखा जा रहा है,यह स्थिति न केवल विभागीय अनुशासन पर सवाल खड़े करती है,बल्कि शासन की मंशा और आदेशों की अवहेलना को भी उजागर करती है।

कभी बाहर, कभी अंदर...कुर्सियों पर आराम फरमाते कुत्ते

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय का हाल यह है कि आवारा कुत्ते कभी बाहर रखी कुर्सियों पर तो कभी अंदर बाबुओं की कुर्सियों पर बेधड़क आराम फरमाते नजर आते हैं,ये कुत्ते पूरे कार्यालय परिसर में स्वच्छंद विचरण करते हैं और अब तो किसी भी कुर्सी को अपना ठिकाना बनाने के आदि हो चुके हैं। कार्यालय आने वाले लोगों के लिए यह दृश्य आम हो चुका है, लेकिन सवाल यह है कि क्या यह सामान्य प्रशासनिक व्यवस्था कही जा सकती है?

कुत्तों के लिए दफ्तर पर जनता के लिए खतरा!

यह कार्यालय है या कुत्तों का विश्राम गृह?

जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय कोरिया में गंभीर प्रशासनिक चूक

शिक्षा कार्यालय है या आवारा कुत्तों का स्थायी डेरा?

शासन के निर्देशों की अनदेखी, कार्यालय परिसर में खुलेआम पाले जा रहे आवारा कुत्ते

डीईओ कार्यालयः जहां दरबान की कुर्सी पर आदमी नहीं कुत्ता बैठता है

शिक्षा अधिकारी कार्यालय में कुत्तों का शासन, कानून फाइलों में कैद!

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश भी 'काट' गए?
सार्वजनिक स्थलों पर आवारा कुत्तों से संभावित खतरे को लेकर माननीय उच्चतम न्यायालय के निर्देश समय-समय पर जारी होते रहे हैं,लेकिन कोरिया का शिक्षा कार्यालय शायद किसी अलग ही संविधान से संचालित हो रहा है,जहां कानून की किताबें अलमारी में और कुत्ते कुर्सियों पर दिनभर कार्यालय आने वाले शिक्षक,महिलाएं,बुजुर्ग और फरियादी डर के साए में काम निपटाने को मजबूर हैं,अगर कोई अप्रिय घटना होती है तो क्या विभाग यह कहकर पल्ला झाड़ लेगा कि–कुत्ता सरकारी नहीं था?

कुर्सियों पर आराम फरमाते आवारा कुत्ते
प्रत्यक्षदर्शियों और सूत्रों के अनुसार,ये आवारा कुत्ते कभी कार्यालय के बाहर रखी कुर्सियों पर तो कभी अंदर बाबुओं की कुर्सियों पर आराम करते देखे जाते हैं। कई बार कार्यालय समय के दौरान कुत्तों के झुंड परिसर में घूमते रहते हैं,जिससे फरियादियों और शिक्षकों में भय का माहौल बना रहता है,कार्यालय आने वाले बुजुर्ग,महिलाएं और दिव्यांगजन स्वयं को विशेष रूप से असुरक्षित महसूस कर रहे हैं।

उच्चतम न्यायालय के निर्देशों की अवहेलना का आरोप
सूत्रों का कहना है कि सार्वजनिक कार्यालयों में इस तरह आवारा कुत्तों का खुलेआम रहना माननीय उच्चतम न्यायालय द्वारा समय-समय पर दिए गए सार्वजनिक स्थलों की सुरक्षा संबंधी निर्देशों की भावना के भी विपरीत है,यदि कार्यालय परिसर में किसी शिक्षक,कर्मचारी या आम नागरिक के साथ कोई अप्रिय घटना घटती है,तो उसकी जिम्मेदारी किसकी होगी–यह एक गंभीर प्रश्न बन गया है।

जनसुरक्षा बनाम विभागीय लापरवाही
यह मामला अब केवल कार्यालय की अव्यवस्था तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि जनसुरक्षा और प्रशासनिक जवाबदेही से सीधा जुड़ गया है,स्थानीय शिक्षकों और कर्मचारियों का कहना है कि वे कई बार इस समस्या की ओर मौखिक रूप से ध्यान दिला चुके हैं,लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई।

भाजपा महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास ने घोषित की जंबो कार्यकारिणी,कई नेताओं को मिली अहम जिम्मेदारी

-संवाददाता-
सूरजपुर,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा में संगठन विस्तार करते हुए जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास ने नई जंबो कार्यकारिणी की घोषणा की है। यह घोषणा भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव एवं प्रदेश महामंत्री संगठन पवन साय के मार्गदर्शन में तथा प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा विवाह अवस्थी के निर्देशानुसार की गई। कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष मुरली मनोहर सोनी की सहमति और भटगांव विधायक एवं महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की विशेष उपस्थिति रही, नई कार्यकारिणी में जिला स्तर से लेकर मंडल स्तर तक कई पदाधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है, संगठन को मजबूत करने और महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाने के उद्देश्य से अनुभवी और नए चेहरों को शामिल किया गया है।

संगठन को मजबूत करने पर जोर
जिला अध्यक्ष नूतन विश्वास ने कहा कि नई कार्यकारिणी के गठन का उद्देश्य संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करना और महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी बढ़ाना है। उन्होंने उम्मीद जताई कि नई टीम पार्टी की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाएगी,नई कार्यकारिणी की घोषणा के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखा गया और पदाधिकारियों ने पार्टी नेतृत्व के प्रति आभार व्यक्त किया।

जिला पदाधिकारियों की घोषणा
घोषित कार्यकारिणी में देवती साहू और नेहा तिवारी को जिला महामंत्री की जिम्मेदारी सौंपी गई है। निवर्तमान जिला महामंत्री बिना गुप्ता को जिला उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनके साथ किरण केराम,किरण साहू और सीता पैकरा को भी जिला उपाध्यक्ष नियुक्त किया गया है,जिला कोषाध्यक्ष का दायित्व मीना सिंह को दिया गया है,जबकि जिला मंत्री के रूप में पदमा जायसवाल,अंजू सिंह,इंदू सिंह,अनुराधा विश्वकर्मा और राधा सिंह को जिम्मेदारी मिली है।

मीडिया,कार्यालय और सोशल मीडिया टीम
जिला मीडिया प्रभारी के रूप में आशा मिश्रा को नियुक्त किया गया है, वहीं सह मीडिया प्रभारी की जिम्मेदारी सुमन अग्रवाल को दी गई है। सीमा सिंह टेकाम को जिला कार्यालय मंत्री और शकुंतला देवांगन को सह जिला कार्यालय मंत्री बनाया गया है,सोशल मीडिया प्रभारी के रूप में नंद कुमारी राजवाड़े और जिला आईटी सेल संयोजक के रूप में सपना तायल को जिम्मेदारी दी गई है।

जिला कार्यसमिति में कई चेहरों को जगह
नई जिला कार्यसमिति में जेमा प्रधान,देवमुनिया साहू,कौशल्या सिंह, सीमा जायसवाल,पूजा सिंह,कान्ता सिंह,लुनावती राजवाड़े,पुष्पलता शर्मा,हीरा सिंह,अनीता सिंह,किरण सोनी,बेबी बंछेर,पूनम देव गुप्ता,तुलसी चौधरी, सपना विश्वास,सुमित्रा सिंह,अंजू रजक,शांति कुजूर,करुणा सिकदार सहित अनेक महिला कार्यकर्ताओं को शामिल किया गया है।

मंडल अध्यक्ष और महामंत्री भी घोषित
मंडल स्तर पर भी संगठन विस्तार करते हुए प्रेमनगर,रामानुजनगर, देवनगर, सूरजपुर ग्रामीण,सूरजपुर शहर,विश्रामपुर,शिवनंदनपुर,लटोरी,भटगांव, भैयाथान,ओड़गी, बिहारपुर,जरही,प्रतापपुर और गोविंदपुर सहित विभिन्न मंडलों में अध्यक्ष और महामंत्रियों की नियुक्ति की गई है,प्रेमनगर मंडल अध्यक्ष पुनिया राजवाड़े,रामानुजनगर मंडल अध्यक्ष प्राणपति सिंह,सूरजपुर शहर मंडल अध्यक्ष रोशनी सोनी,भटगांव मंडल अध्यक्ष पूनम तिवारी सहित कई नेताओं को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने हेतु कोरबा पुलिस द्वारा की कार्यवाही

-संवाददाता-
कोरबा,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
कोरबा जिले में अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण एवं अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी द्वारा दिए गए निर्देशों के पालन में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस के मार्गदर्शन में थाना उरगा पुलिस द्वारा गंभीरता से कार्यवाही की गई। उक्त अभियान के अंतर्गत थाना उरगा क्षेत्र में यातायात नियमों के पालन हेतु विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 (नशे की हालत में वाहन चलाना) के अंतर्गत कुल 29 वाहन चालकों के विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही की गई। कोरबा पुलिस आम नागरिकों से अपील करती है कि वे यातायात नियमों का अनिवार्य रूप से पालन करें, नशे की हालत में वाहन चलाने से बचें तथा स्वयं एवं दूसरों की जान को खतरे में न डालें। सड़क सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। नियमों का पालन कर सुरक्षित यात्रा करें और कानून-व्यवस्था बनाए रखने में पुलिस का सहयोग करें।

अब अमृत सरोवर स्थलों पर होगा 'सरोवर संवाद'

-संवाददाता-
कोरबा,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)।
जिले के सभी अमृत सरोवर स्थलों पर अब *'सरोवर संवाद' का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम विकसित भारत जी-राम-जी अधिनियम, 2025 के प्रावधानों एवं कानूनी अधिकारों की जन-जागरूकता के लिए आयोजित होगा। कलेक्टर श्री कुणाल दुदावत के निर्देशन में चौपाल पर चर्चा के माध्यम से ग्रामीणों को जानकारी दी जाएगी। नए अधिनियम के तहत ग्रामीण रोजगार गारंटी को 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन किया गया है तथा टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर विशेष जोर दिया गया है। सरोवर संवाद में महिला कामगारों, अनुसूचित जाति-जनजाति परिवारों एवं कमजोर वर्गों के अधिकारों की जानकारी दी जाएगी।

न्यायालय तहसीलदार,दरिमा
जिला -सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0 /ब-121 /2026

ईश्तहार/उद्घोषण

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम - बडादमाली थाना व तहसील दरिमा को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदक/आवेदिका श्री/श्रीमती रामसुन्दर पिता बुढा निवासी ग्राम बडादमाली थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उनके पुत्र अलेश की मृत्यु दिनांक 22/12/2024 है, तथा स्थान बडादमाली में हुआ है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति हो तो लिखत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा/आपत्ति दिनांक 20/2 /2026 तक प्रस्तुत कर सकते है। निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर सुनावई हेतु विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 03/02/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) कार्यपालक दण्डाअधिकारी दरिमा,जिला सरगुजा

न्यायालय तहसीलदार,दरिमा
जिला -सरगुजा छ0ग0

रा0प्र0क0 /ब-121 /2026

ईश्तहार/उद्घोषण

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता हैं कि ग्राम - कुम्हरता थाना व तहसील दरिमा को सूचित किया जाता हैं। कि आवेदक / आवेदिका श्री/श्रीमती राधाराम पिता स्व0 बन्शी कुम्हार निवासी ग्राम कुम्हरता थाना व तहसील दरिमा जिला सरगुजा, छ0ग0 के द्वारा उनके पिता स्व0 बन्शी कुम्हार की मृत्यु दिनांक 24/06/2023 है, तथा स्थान कुम्हरता में हुआ है।

इस संबंध में किसी व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति हो तो लिखत में स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा दावा/आपत्ति दिनांक 15/02/ 2026 तक प्रस्तुत कर सकते है।निर्धारित तिथि के पश्चात् प्राप्त दावा / आपत्ति पर सुनावई हेतु विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 30/01/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

(सील) कार्यपालक दण्डाअधिकारी दरिमा,जिला सरगुजा

दैनिक घटती घटना की खबर का बड़ा असर...

साहू समाज की मांगों पर प्रदेश नेतृत्व ने लिया संज्ञान

चुनाव प्रक्रिया में हुआ अहम बदलाव

आजीवन सदस्यता से लेकर मतदाता सूची तक बदली पूरी व्यवस्था... 25 फरवरी को होगा चुनाव

साहू समाज चुनाव में बड़ा उलटफेरः जिला साहू संघ कोरिया का निर्वाचन निरस्त, 25 फरवरी को होंगे नए चुनाव

प्रदेश साहू संघ का कड़ा फैसलाः कोरिया जिला चुनाव रद्द, आजीवन सदस्यता से बनेगी नई मतदाता सूची

साहू समाज में बड़ा निर्णयः 200 आजीवन सदस्य बनेंगे, 25 फरवरी को पर्यवेक्षकों की निगरानी में मतदान

संगठन में पारदर्शिता की पहलः साहू समाज चुनाव प्रक्रिया फिर से शुरू, 25 फरवरी को निर्णायक दिन

नियमों के उल्लंघन पर प्रदेश साहू संघ सख्तः कोरिया जिला साहू संघ का पूरा चुनाव शून्य घोषित

घटती घटना की खबर के बाद साहू समाज का चुनाव निरस्त, प्रदेश अध्यक्ष ने संभाली कमान

आजीवन सदस्य बनाए जाएंगे...बड़ा फैसला

प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जारी पत्र में सबसे महत्वपूर्ण निर्णय यह लिया गया है कि लंबे समय से आजीवन सदस्य नहीं बनाए जाने की स्थिति को समाप्त किया जाएगा,सभी पक्षों की सहमति से आजीवन सदस्य जोड़े जाएंगे, निर्धारित शुल्क 3100 के माध्यम से सदस्यता दी जाएगी,यह प्रक्रिया 15 फरवरी 2026 तक पूर्ण की जाएगी,जिससे अधिक से अधिक समाजजन संगठन की मुख्यधारा से जुड़ सकें,आजीवन सदस्यों की अधिकतम संख्या 200 तय की गई है,तहसीलवार परिवार संख्या के अनुपात में सदस्य बनाए जाएंगे,इस निर्णय को संगठन के भीतर वर्षों से चली आ रही बड़ी विसंगति के समाधान के रूप में देखा जा रहा है।

मतदाता सूची में रहेगा नाम

पत्र में स्पष्ट रूप से उल्लेख किया गया है कि जो व्यक्ति आजीवन सदस्य बनाए जाएंगे,उनका नाम अनिवार्य रूप से मतदाता सूची में शामिल रहेगा, मतदाता सूची से किसी भी पात्र सदस्य को वंचित नहीं किया जाएगा,यह निर्णय उन कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी राहत बनकर आया है,जो वर्षों से संगठन से जुड़े होने के बावजूद मतदान अधिकार से वंचित हो रहे थे।

20 फरवरी को मतदाता सूची का प्रकाशन

प्रदेश साहू संघ द्वारा जारी कार्यक्रम के अनुसार 17 फरवरी 2026 तक आजीवन सदस्यता सूची अंतिम रूप लेगी,20 फरवरी 2026 को अंतिम मतदाता सूची का विधिवत प्रकाशन किया जाएगा,प्रकाशन के पश्चात किसी भी प्रकार की आपत्ति निर्धारित समय सीमा में दर्ज कराई जा सकेगी,इस पूरी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के निर्देश भी प्रदेश नेतृत्व द्वारा दिए गए हैं।

25 फरवरी को पर्यवेक्षकों की निगरानी में चुनाव

पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि 25 फरवरी 2026 को जिला साहू संघ का चुनाव संपन्न कराया जाएगा,चुनाव प्रक्रिया प्रदेश से नियुक्त पर्यवेक्षकों की सीधी निगरानी में होगी,चुनाव जिला मुख्यालय में लोकतांत्रिक तरीके से संपन्न कराया जाएगा,इसके साथ ही यह भी तय किया गया है कि किसी भी विवाद की स्थिति में छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

संगठन में संतोष और विश्वास का माहौल

प्रदेश स्तर से लिए गए इन फैसलों के बाद साहू समाज में संतोष और नई ऊर्जा देखने को मिल रही है,समाजजनों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही अनदेखी पर अब विराम लगा है,संगठन में पुनः विश्वास बहाल हुआ है,चुनाव प्रक्रिया अब निष्पक्ष और सर्वसमावेशी प्रतीत हो रही है,कई वरिष्ठ समाजसेवियों ने इसे संगठन को टूटने से बचाने वाला निर्णय बताया है।

अब टिकी हैं निगाहें- अब समाज की निगाहें 20 फरवरी 2026 :

मतदाता सूची के प्रकाशन व 25 फरवरी 2026 : जिला साहू संघ निर्वाचन पर टिकी हुई हैं, यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि यह चुनाव प्रक्रिया समाज को नया नेतृत्व, नई दिशा और मजबूत संगठनात्मक आधार देने में कितनी सफल होती है।

-रवि सिंह-

कोरिया,03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। दैनिक घटती-घटना में प्रकाशित साहू समाज से जुड़ी खबर का प्रभाव अब स्पष्ट रूप से सामने आने लगा है,समाज की वर्षों से लंबित मांगों, संगठन के भीतर व्याप्त असंतोष और चुनाव प्रक्रिया को लेकर उठ रहे सवालों को गंभीरता से लेते हुए छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष ने पूरे मामले पर संज्ञान लिया है,इसके बाद प्रदेश स्तर से एक आधिकारिक पत्र जारी कर महत्वपूर्ण निर्णयों की घोषणा की गई है,यह पत्र न केवल संगठनात्मक संतुलन की दिशा में बड़ा कदम माना जा रहा है,बल्कि इससे साहू समाज में लंबे समय से चली आ रही असमंजस की स्थिति पर भी विराम लगने की उम्मीद जताई जा रही है,बता दे की जिला साहू संघ कोरिया में लंबे समय से चल रहे संगठनात्मक विवाद, असंतोष और निर्वाचन प्रक्रिया पर उठ रहे सवालों के बीच अब छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ ने निर्णायक हस्तक्षेप करते हुए बड़ा और ऐतिहासिक फैसला लिया है,प्रदेश अध्यक्ष डॉ. नीरेंद्र साहू द्वारा 31 जनवरी 2026 को जारी आधिकारिक आदेश में जिला साहू संघ कोरिया के वर्तमान निर्वाचन 2026 को पूर्णतः निरस्त कर दिया गया है,प्रदेश संगठन ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि अब तक की गई समस्त चुनावी कार्यवाहियां शून्य घोषित मानी जाएंगी और पूरी निर्वाचन प्रक्रिया नए सिरे से नियमावली के अनुरूप कराई जाएगी।

मतदाता सूची और नामांकन कार्यक्रम तय

निर्वाचन की नई समय-सारिणी इस प्रकार रहेगी...
18 फरवरी 2026
प्रारंभिक मतदाता सूची प्रकाशित होगी (आजीवन सदस्य एवं पदाधिकारी सहित)
19 फरवरी 2026
दावा-आपत्ति के बाद
दोपहर 3 बजे अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन
20 फरवरी 2026
नामांकनः सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक
नामांकन जांच एवं दावा आपत्तिः 2:00 से 3:00 बजे तक
इसके पश्चात आपसी सहमति बनाने के लिए समन्वय समिति प्रयास करेगी।

खबर बनी समाज की आवाज

दैनिक घटती घटना द्वारा साहू समाज की समस्याओं, चुनाव प्रक्रिया को लेकर असंतोष और जमीनी कार्यकर्ताओं की नाराजगी को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था, खबर में समाज के भीतर यह चिंता सामने आई थी कि आजीवन सदस्यता को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है,कई सक्रिय कार्यकर्ता मतदाता सूची से बाहर हो रहे हैं,चुनाव कार्यक्रम को लेकर पारदर्शिता का अभाव है,इन्हीं बिंदुओं को प्रदेश साहू संघ के शीर्ष नेतृत्व ने गंभीरता से लिया और विस्तृत विचार-विमर्श के बाद नया दिशा-निर्देश जारी किया गया।

क्यों लिया गया यह कड़ा निर्णय

प्रदेश साहू संघ द्वारा जारी पत्र में उल्लेख किया गया है कि निर्वाचन 2026 को लेकर सभी पक्षों की बातें सुनी गई, समन्वय समिति की बैठक में किसी भी विषय पर सर्वसम्मति नहीं बन पाई,इसके बाद पर्यवेक्षकों को बिना सूचना दिए समन्वय समिति में ऐसे लोगों को शामिल कर लिया गया, जो छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ की नियमावली के अनुसार पात्र नहीं थे,यह प्रक्रिया पूरी तरह संगठनात्मक नियमों के विरुद्ध पाई गई,मुख्य निर्वाचन अधिकारी एवं पर्यवेक्षकगण की उपस्थिति में इन तथ्यों पर विचार करते हुए प्रदेश संगठन ने यह स्पष्ट कर दिया कि ऐसी परिस्थिति में चुनाव कराना न तो न्यायसंगत है और न ही वैधानिक।

पत्रकारिता की भूमिका फिर हुई साबित

इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर यह प्रमाणित किया है कि निष्पक्ष और जनपक्षधर पत्रकारिता केवल खबर प्रकाशित नहीं करती,बल्कि समाज की आवाज को सत्ता और संगठन के शीर्ष तक पहुँचाने का कार्य भी करती है,दैनिक घटती-घटना द्वारा उठाए गए मुद्दों के बाद प्रदेश नेतृत्व का सक्रिय होना इसी बात का प्रमाण है कि मीडिया यदि ईमानदारी से कार्य करे,तो बदलाव संभव है।

समाज में संतोष,नेतृत्व पर बढ़ा भरोसा

प्रदेश साहू संघ के इस आदेश के बाद साहू समाज में संतोष का माहौल है,वर्षों से चली आ रही सदस्यता और चुनावी उलझनों के समाधान की उम्मीद जगी है,समाजजनों का मानना है कि अब निष्पक्ष,पारदर्शी और नियमसम्मत चुनाव संभव होगा,वरिष्ठ समाजजनों ने इस निर्णय को संगठनात्मक अनुशासन और लोकतांत्रिक मर्यादा की जीत बताया है।

पूरा निर्वाचन कार्यक्रम निरस्त

प्रदेश अध्यक्ष के आदेशानुसार जिला साहू संघ कोरिया का वर्तमान निर्वाचन कार्यक्रम रद्द किया गया,उससे जुड़ी सभी अधिसूचनाएं, बैठकें, तैयारियां और प्रक्रियाएं अमान्य घोषित की गईं,यह फैसला संगठन में पारदर्शिता बनाए रखने और समाज में बढ़ते असंतोष को दूर करने के उद्देश्य से लिया गया।

विवाद की स्थिति में प्रदेश का फैसला अंतिम

आदेश में यह भी साफ लिखा गया है कि किसी भी प्रकार के विवाद की स्थिति में छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ का निर्णय अंतिम एवं मान्य होगा,इस प्रावधान से यह संकेत मिलता है कि अब चुनावी प्रक्रिया में किसी भी तरह की मनमानी या भ्रम की गुंजाइश नहीं छोड़ी जाएगी।

सोनहत में मूसलाधार बारिश के साथ गिरे ओले,ठिठुरन बढ़ी-रबी फसलों को भारी नुकसान

-संवाददाता-

सोनहत (कोरिया),03 फरवरी 2026 (घटती-घटना)। फरवरी महीने में जहां लोगों को मौसम के सामान्य होने और गुलाबी ठंड से राहत की उम्मीद थी, वहीं मंगलवार दोपहर बाद अचानक बदले मौसम ने पूरे क्षेत्र में जनजीवन प्रभावित कर दिया। विकासखंड सोनहत सहित आसपास के ग्रामीण इलाकों में मूसलाधार बारिश के साथ ओलावृष्टि हुई, जिससे तापमान में अचानक गिरावट दर्ज की गई और ठंड एक बार फिर बढ़ गई।

ठंड में इजाफा, बाजारों में पसरा सन्नाटा

अचानक हुई बारिश और ओले गिरने के बाद क्षेत्र में बर्फीली हवाएं चलने लगीं। फरवरी के महीने में कड़ाके की ठंड की वापसी से लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए। बाजार और मुख्य सड़कों पर भीड़ कम हो गई और जनजीवन कुछ समय के लिए थम सा गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस मौसम में इस तरह की ओलावृष्टि कई वर्षों बाद देखने को मिली है, जिससे आमजन हैरान हैं।

प्रशासन से राहत की उम्मीद

ग्रामीणों और किसानों का कहना है कि यदि मौसम का यही रुख रहा तो आने वाले दिनों में फसलों को और नुकसान हो सकता है, लोगों ने प्रशासन से प्रभावित क्षेत्रों का जल्द सर्वे कर राहत देने की मांग की है, मौसम विभाग ने भी अगले कुछ दिनों तक मौसम में उतार-चढ़ाव की संभावना जताई है।

किसानों पर मौसम की मार

बेमौसम बारिश और ओलों ने क्षेत्र के किसानों की चिंता बढ़ा दी है। खेतों में खड़ी रबी की फसलें–विशेषकर गेहूं,चना, सरसों और अन्य दलहन–को नुकसान पहुंचने की आशंका जताई जा रही है। कई किसानों ने बताया कि ओले गिरने से पौधे झुक गए और फसल की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है।

सब्जी उत्पादकों को बड़ा झटका

ओलावृष्टि का सबसे ज्यादा असर सब्जी उत्पादकों पर पड़ा है, टमाटर,गोभी और अन्य नकदी सब्जियों के पौधे टूटकर जमीन पर बिछ गए,जिससे आर्थिक नुकसान की संभावना बढ़ गई है। किसानों ने प्रशासन से नुकसान का सर्वे कर उचित मुआवजा देने की मांग की है।

श्वेता तिवारी की बेडरूम फोटोज देख फैंस ने खोए होश

बोले...बेटी से ज्यादा सुंदर लगती हो...

टीवी इंडस्ट्री की पॉपुलर एक्ट्रेसेज में से एक श्वेता तिवारी ने हाल ही में लेटेस्ट तस्वीरों को सोशल मीडिया पर शेयर किया है। उनकी हॉट लुक फोटोज को देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं। श्वेता तिवारी का नाम छोटे पर्दे की मशहूर अदाकाराओं की लिस्ट में शामिल रहता है। 45 साल की उम्र में वह इतनी ज्यादा हॉट हैं, जिसकी चर्चा आए दिन की जाती है। कसौटी जिंदगी की प्रेरणा बनकर फैंस के दिलों को जीतने वालीं श्वेता सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। आए दिन श्वेता तिवारी अपने लेटेस्ट फोटोज और वीडियो के जरिए इंटरनेट पर बवाल काटती रहती हैं। हाल ही में टीवी एक्ट्रेस की लेटेस्ट तस्वीरें सामने आई हैं, जिनमें वह बेडरूम में अपनी कातिलाना

अदाओं का जलवा बिखेर रही हैं। उनकी इन फोटोज को देखकर फैंस के होश उड़ गए हैं।

इंटरनेट पर छाई श्वेता तिवारी की लेटेस्ट फोटोज

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर श्वेता तिवारी की मौजूदगी किसी से छिपी नहीं है। इंस्टा पर वह काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर अपनी लेटेस्ट फोटो-वीडियो को शेयर कर पर्सनल लाइफ से जुड़े अपडेट्स देती रहती हैं। सोमवार को श्वेता तिवारी ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्रम हैंडल पर कुछ नई तस्वीरों को शेयर किया है। इन फोटोज में आप देख सकते हैं कि वह अपने बेडरूम में किताब पढ़ती हुई नजर आ रही हैं। इस दौरान वह किलर पोज देती हुई दिखाई दे रही हैं, जो उनकी हॉटनेस की गवाही दे रहे हैं।
श्वेता की इन लेटेस्ट तस्वीरों को देखकर फैंस दीवाने हो रहे हैं। एक यूजर ने अभिनेत्री इन फोटो पर कमेंट कर लिखा है- आप अपनी बेटी से ज्यादा सुंदर लगती हैं। इस तरह से तमाम फैंस उनकी तस्वीरों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।
दरअसल श्वेता तिवारी की बेटी का नाम पलक तिवारी है और वह बी टाउन की उभरती हुई अदाकारा हैं। श्वेता तिवारी की ये हॉट लुक वाली तस्वीरें एक बार फिर से लाइमलाइट का हिस्सा बन गई हैं और सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही हैं।

इस रियलिटी शो की विनर रही हैं श्वेता तिवारी

बतौर अभिनेत्री श्वेता तिवारी का करियर काफी ज्यादा शानदार रहा है। वह सुपरस्टार सलमान खान के मशहूर रियलिटी शो बिग बॉस की विनर रही हैं। साल 2011 में श्वेता बिग बॉस सीजन की चैंपियन बनी थीं और ट्रॉफी अपने नाम की थी। वह सीजन पूरी तरह से श्वेता तिवारी के नाम रहा था।

बॉर्डर के बाद कोर्ट रूम में दहाड़ेंगे सनी देओल

ओटीटी पर ढाई किलो के हाथ का कब्जा?

अभिनेता सनी देओल और अक्षय खन्ना की बहुचर्चित फिल्म इक्का का टीजर रिलीज कर दिया गया है। ये एक कोर्ट रूम ड्रामा मूवी है। आइए जानते हैं कि ओटीटी पर ये कहां देखने को मिलेगी। लंबे समय से सनी देओल के ओटीटी डेब्यू को लेकर चर्चा का बाजार गर्म था। अब इसकी आधिकारिक पुष्टि फिल्म इक्का के फर्स्ट लुक वीडियो के साथ हो गई है। मंगलवार को मेकर्स की तरफ से इसकी पहली झलक पेश की गई है, जिसमें सनी वकील की भूमिका में नजर आ रहे हैं। सनी देओल के अलावा फिल्म इक्का में अभिनेता अक्षय खन्ना भी दिखाई दे रहे हैं, जो धुरंधर जैसे अंदाज में नजर आएंगे। मूवी का टीजर वीडियो आते ही हर तरफ छाने लगा है। आइए एक नजर इक्का के इस वीडियो पर डालते हैं और जानते हैं कि ओटीटी पर ये कहां रिलीज होगी।

इक्का का फर्स्ट लुक आउट

बॉर्डर के बाद अब अभिनेता सनी देओल अपनी अपकमिंग मूवी इक्का के जरिए दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करते हुए नजर आएंगे। 3 फरवरी को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स की तरफ से इक्का का फर्स्ट लुक वीडियो सोशल मीडिया पर शेयर किया गया है। इस वीडियो में सनी एक दमदार वकील के किरदार में नजर आ रहे हैं। दूसरी तरफ अक्षय खन्ना इस मूवी में नेगेटिव रोल में अपना जलवा बकरार रखते हुए दिखाई देंगे।
इसके अलावा दिया मिर्जा,संजीदा शेख और तिलोत्तमा शोम जैसी अदाकाराएं भी इक्का में नजर आएंगी। कुल मिलाकर कहा जाए तो इक्का का ये लेटेस्ट टीजर काफी धांसू है और आने वाले समय में फैंस बॉर्डर के बाद अब सनी देओल की दहाड़ इक्का में देखने को मिलेगी। टीजर रिलीज के साथ ही तरफ इक्का के बारे में चर्चा की जा रही है।
हालांकि अभी इक्का की रिलीज डेट का खुलासा नहीं हुआ है। लेकिन इतना तय है कि इक्का आपको ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर देखने को मिलेगी।

बॉर्डर 2 के बाद इक्का की बारी

मौजूदा समय में सनी देओल की वॉर ड्रामा मूवी बॉर्डर 2 सिनेमाघरों से लेकर बॉक्स ऑफिस तक धमाल मचा रही है। ऐसे में अब आने वाले समय में सनी आपको इक्का के जरिए एंटरटेन करते हुए नजर आएंगे। बता दें कि इससे पहले 90 के दशक में आई फिल्म दामिनी में भी सनी देओल ने वकील की भूमिका को निभाया था।

ओटीटी पर रिलीज होने वाली पहली फिल्म है यह रोमांटिक कॉमेडी

2 घंटे 13 मिनट की फिल्म को आईएमडीबी पर मिली धांसू रेटिंग

ओटीटी पर कई पुरानी और नई फिल्में मनोरंजन के लिए उपलब्ध हैं जिन्हें हम कहीं भी बैठकर एंजॉय कर सकते हैं। लेकिन क्या आपको पता है ओटीटी पर रिलीज होने वाली पहली फिल्म कौन सी थी? आज के दौर में ओटीटी एंटरटेनमेंट का बड़ा अड्डा बन गया है। नई से लेकर पुरानी फिल्में तक आप घर बैठे ओटीटी पर एंजॉय कर सकते हैं। थिएटर के बाद तो अधिकतर फिल्में ओटीटी पर आ ही जाती हैं लेकिन कई बार मेकर्स डायरेक्ट ओटीटी पर भी फिल्में रिलीज कर देते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं आखिर ओटीटी पर पहली बार रिलीज होने वाली फिल्म कौन सी है?

आईएमडीबी पर मिली धांसू रेटिंग

ओटीटी पर रिलीज होने वाली पहली फिल्म एक रोमांटिक कॉमेडी थी जो नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई थी। इस फिल्म को आईएमडीबी पर 7.1 रेटिंग मिली है।

क्या है फिल्म की कहानी?

यह एक इंडियन हिंदी-भाषा की रोमांटिक कॉमेडी फिल्म है, यह दो ऐसे लोगों की कहानी है जो मुंबई में घर ढूंढने की कोशिश करते हैं। उनके पास अकेले घर खरीदने के लिए इतने पैसे नहीं होते, इसलिए वे फायदे के लिए शादी कर लेते हैं। लड़का और लड़की दोनों दोनों एक ही बैंक में काम करते हैं और अपने घर का सपना देखते हैं, लेकिन अपनी पर्सनल जिंदगी की दिक्कतों की वजह से पीछे रह जाते हैं।
लड़के की बॉस, राशि खुराना का उसके साथ एक्स्ट्रा-मैरिटल अफेयर है, लेकिन वह अपने पति को छोड़ने से मना कर देती है, जबकि लड़की की सगाई हो चुकी है और उसकी मां उसे घर खरीदने के सपने से लगातार रोकती रहती है। सब कुछ तब बदल जाता है जब लड़के को एक जॉइंट हाउसिंग स्कीम के बारे में पता चलता है, और वह लड़की को उसके साथ स्कीम के लिए अप्लाई करने को कहता है। वह मान जाती है और फिर शुरू होती है टेंशन कि कैसे एक बिना शादीशुदा कपल के तौर पर अपार्टमेंट खरीदने में कितनी दिक्कतें होती हैं।

कौन सी है यह फिल्म

जिस फिल्म की बात की जा रही है वह है 2018 में नेटफ्लिक्स रिलीज होने वाली लव पर स्क्वायर फुट जिसमें विक्की कौशल और अंगिरा धर ने काम किया है। इस फिल्म को आनंद तिवारी ने डायरेक्ट किया है। विक्की और अंगिरा के अलावा इस फिल्म में रत्ना पाठक और सुप्रिया पाठक ने भी काम किया है।

खेल समाचार

टी-20 वर्ल्डकप का कैप्टन्स डे दो शहरों में होगा

मुंबई में 12 और कोलंबो में 8 टीमों के कप्तान शामिल होंगे, टूर्नामेंट 7 फरवरी से...

मुंबई,03 फरवरी 2026। टी-20 वर्ल्ड कप की शुरुआत 7 फरवरी से होने जा रही है। इससे पहले, 5 फरवरी को आईसीसी ने कैप्टन्स डे रखा। कैप्टन्स डे दो शहरों मुंबई (भारत) और कोलंबो (श्रीलंका) में होगा। कैप्टन्स डे एक मीडिया कार्यक्रम है,जहां कप्तान मीडिया से बात करेंगे।
मुंबई में 12 टीमों के कप्तान आएंगे मुंबई में होने वाले कैप्टन्स डे मीट में कुल 12 टीमों के कप्तान हिस्सा लेंगे। यह कार्यक्रम 5 फरवरी को आयोजित किया जाएगा,जिसमें भारत, अफगानिस्तान,कनाडा,इंग्लैंड, इटली,नामीबिया,नेपाल,न्यूजीलैंड, स्कॉटलैंड, साउथ अफ्रीका, अमेरिका और वेस्टइंडीज के कप्तान शामिल होंगे। सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रुप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत के दौरान टूर्नामेंट से पहले

अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे।
ग्रूप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 3:00 बजे और ग्रूप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 3:30 बजे शुरू होगी। यह कैप्टन्स डे मीट बीसीसीआई ऑफिस वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई) में आयोजित की जाएगी।

कोलंबो में 8 देशों के कप्तानों की कैप्टन्स डे मीट

5 फरवरी को कोलंबो में भी कैप्टन्स डे का आयोजन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में श्रीलंका,ऑस्ट्रेलिया, आयरलैंड,नीदरलैंड,ओमान, पाकिस्तान,यूएई और जिम्बाब्वे की टीमों के कप्तान शामिल होंगे। यहां भी सभी कप्तानों को दो अलग-अलग ग्रूप में बांटा गया है, जो मीडिया से बातचीत करते हुए टूर्नामेंट से पहले अपनी तैयारियों और रणनीतियों पर चर्चा करेंगे। ग्रूप-1 की प्रेस कॉन्फ्रेंस दोपहर 12:00 बजे,जबकि ग्रूप-2 की प्रेस कॉन्फ्रेंस 12:30 बजे शुरू होगी। यह कार्यक्रम कोलंबो के मर्केंटाइल क्रिकेट एसोसिएशन में आयोजित किया जाएगा।

भारत के 5,श्रीलंका के 3 वेन्यू पर टूर्नामेंट

भारत में अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम, नई दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम, कोलकाता के ईडन गार्डन्स स्टेडियम,चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम और मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में टूर्नामेंट के मैच खेले जाएंगे। वहीं श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी में मुकाबले होंगे। कोलंबो में आर प्रेमदासा और सिनहले स्पोर्ट्स क्लब स्टेडियम पर मैच खेले जाएंगे। टीम इंडिया मुंबई,दिल्ली,कोलंबो और अहमदाबाद में ग्रूप स्टेज के मैच खेलेगी। टी-20 वर्ल्ड कप का 10 वां एडिशन 7 फरवरी से शुरू होगा। पाकिस्तान ने भारत के खिलाफ ग्रूप मैच खेलने से मना कर दिया। इसके पीछे राजनीतिक कारण हो सकता है,लेकिन एक वजह यह भी हो सकती है कि टीम फिर एक बार वर्ल्ड चैंपियन भारत से हारना न चाहती हो। टीम इंडिया टी-20 की सबसे मजबूत टीमों में शामिल है और पाकिस्तान को वर्ल्ड कप में 15 बार हरा भी चुकी है। भारत ने इंग्लैंड और वेस्टइंडीज की तरह 2-2 टाइटल जीते हैं, इतना ही नहीं टीम के नाम इतिहास में सबसे ज्यादा 46 बार 200 से ज्यादा का स्कोर बनाने का रिकॉर्ड भी है।

एलेक्जेंड्रा एला ने अबू धाबी ओपन में शानदार जीत दर्ज की

अबू धाबी,03 फरवरी 2026। ज़ायेद स्पोर्ट्स सिटी के स्टेडियम कोर्ट में भीड़ उमड़ पड़ी, जब उभरती हुई फिलिपिना स्टार एलेक्जेंड्रा एला ने मुबाडाला अबू धाबी ओपन में एक लोकप्रिय जीत हासिल की। तीसरे दिन के एक्शन में कुछ उलटफेर देखने को मिले,जब स्पेन की पूर्व वर्ल्ड नंबर 2 पाउला बाडोसा को तीन-सेट के रोमांचक मैच में आलियाकसांद्रा सास्नोविच ने बाहर कर दिया, जबकि क्वालिफायर सारा बेजलेक ने पिछले साल की फाइनलिस्ट एशलिन क्रूगर को सीधे सेटों में हरा दिया। दिन के सबसे बेहतरीन मैचों में से एक ऑस्ट्रेलिया की माया जॉइंट और इंडोनेशिया की जेनिस जेन के बीच था, जिसमें बाद वाली ने 7-6, 3-6, 6-3 से जीत हासिल की।
जीत के बाद जेन ने कहा यह अबू धाबी में मेरा पहला मौका है और यह बहुत अच्छा रहा। मेरे लिए यह बहुत मायने रखता है, जो सपोर्ट मुझे आज फैंस से मिला। इंडोनेशियाई फैंस मेरी भाषा में लेट्स गो चिल्ला रहे थे जो कमाल का था। शाम को, जेलेना ओस्टापेंको ने एक सेट से पिछड़ने के बाद ओक्साना सेलेखमेतेवा

को हराया। लातवियाई खिलाड़ी ने अपनी शानदार वापसी के बाद कहा...मैंने कोर्ट पर अपना सब कुछ लगा दिया और जीत से बहुत खुश हूं। मेरे पसंदीदा देशों में से एक है और यहां का माहौल शानदार था। दिन का आखिरी मैच दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में खेला गया, एला ने तुर्की की ज़ेनेप सोनमेज़ पर सीधे सेटों में जीत हासिल करके दर्शकों को खुश कर दिया। 20 साल की खिलाड़ी ने अपनी जीत के बारे में कहा हाल ही में मैं इतनी बड़ी भीड़ के सामने खेल रही हूं और मुझे अब थोड़ा लय मिल रही है। मैं उन सभी फैंस की सच में सराहना करती हूं जो अपने परिवारों के साथ मुझे देखने आए, खासकर वीकेंड के दिनों में।

फ़रीदाबाद,भिवानी और सोनीपत की मुकाबले तय

सोनीपत,03 फरवरी 2026। एक रिलीज़ के अनुसार, कबड्डी चैंपियंस लीग 4 फरवरी को एक्शन से भरे दिन 11 के लिए तैयार है,जिसमें हरियाणा के स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी,राई में एक हाई-वोल्टेज ट्रिपल-हेडर लाइन-अप है, क्योंकि टीमें लीग के निर्णायक दौर में मोमेंटम के लिए लड़ेंगी। शाम की शुरुआत मैच 23 से 7:00 पीएम पर होगी,जिसमें फरीदाबाद फाइटर्स का मुकाबला गुरुग्राम गुरुस से होगा। फरीदाबाद अपनी एनर्जी को पॉइंट्स में बदलने के लिए उत्सुक होगा,जबकि गुरुग्राम गुरुस,जो अपने आक्रामक और निडर अप्रोच के लिए जाने जाते हैं, तेज रेड और क्विक डिफेंसिव ट्रांजिशन के साथ शुरुआत में ही गेम पर हावी होने की कोशिश करेंगे। फरीदाबाद फाइटर्स के खिलाड़ी रोहित गुलिया ने मैच से पहले कहा, हम जानते हैं कि अब हमारे पास खोने के लिए कुछ नहीं है और जानते हैं कि दूसरी टीमों के लिए अब क्या दांव पर लगा है। फोकस स्मार्ट कबड्डी खेलने और दबाव में शांत रहने पर है। गुरुग्राम गुरु के मुख्य खिलाड़ी नीरज नरवाल ने कहा, हमारी ताकत इंटेंसिटी है। हम गेम को अपने स्टाइल में खेलना चाहते हैं, और अगर हम पहली सीटी से ही ऐसा करते हैं,

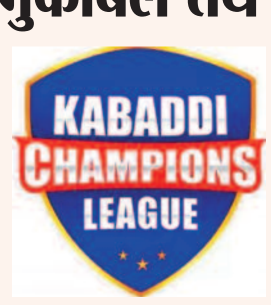

तो नतीजे अपने आप आएंगे। 8:00 पीएम पर मैच 24 में भिवानी बुल्स और करनाल किंग्स के बीच एक रोमांचक मुकाबला होगा। बुल्स फिजिकल डिफेंडिंग और अटैकिंग इरादे से अपनी धाक जमाने की कोशिश करेंगे, जबकि करनाल किंग्स ऊपरी हाथ हासिल करने के लिए स्ट्रक्चर्ड गेमप्ले और लगातार रेडिंग पर निर्भर रहेंगे। मुकाबले से पहले बोलते हुए,भिवानी बुल्स के खिलाड़ी देवांक दलाल ने कहा, इन दो दिनों में लीग कहीं भी जा सकती है। हर टीम टॉप पर रहने के लिए खेल रही है, और हम एक कड़ी टक्कर के लिए तैयार हैं। इस स्टेज पर हर पॉइंट मायने रखता है। करनाल किंग्स के खिलाड़ी सुरेंद्र गिल ने जवाब दिया, हम टॉप पर रहना चाहते हैं और नॉक-ऑफ खेलना चाहते हैं। टीम कॉन्फिडेंट है और मैट पर अपनी योजनाओं को लागू करने पर फोकस कर रही है।

भारत ने 2027 एशियन राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेजबानी जीती

नई दिल्ली,03 फरवरी 2026। नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ़ इंडिया जो देश में शूटिंग के ओलंपिक खेल की गवर्निंग बॉडी है, ने आज घोषणा की कि नई दिल्ली ने 2027 एशियाई राइफल/पिस्टल चैंपियनशिप की मेज़बानी का बिड जीत लिया है, जहाँ लॉस एंजिल्स 2028 समर ओलंपिक खेलों के लिए आठ कोटा स्थान दिए जाएँगे। एक रिलीज़ के अनुसार,एशियन शूटिंग कॉन्फ़ेडरेशन के सेक्रेटरी जनरल, दुआइज अलओतैबी ने एनआरएआई के प्रेसिडेंट, कलिकेश नारायण सिंह देव को भेजे गए एक पत्र के माध्यम से इसकी पुष्टि की। यह लगातार दूसरी बार होगा जब भारत राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए प्रमुख कॉन्टिनेंटल चैंपियनशिप की मेज़बानी करेगा।
यह ध्यान देने योग्य है कि इंटरनेशनल शूटिंग स्पोर्ट फ़ेडरेशन,जो इस खेल की वैश्विक सर्वोच्च संस्था है, ने पहले ही अप्रैल 2027 में नई दिल्ली में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन का आयोजन करने का फैसला किया था, जहाँ कुल 12 एलए 28 कोटा स्थान उपलब्ध होंगे। इस बेहद सकारात्मक घटनाक्रम पर टिप्पणी करते हुए,कलिकेश नारायण सिंह देव ने कहा, यह एलए की राह पर भारतीय निशानेबाजों के लिए एक महत्वपूर्ण बढ़ावा होगा क्योंकि अब उनके पास कोटा स्थान जीतने के लिए साल भर में

घरेलू मैदान पर दो इवेंट होंगे। हमारे राइफल और पिस्टल निशानेबाजों के लिए यह और भी उत्साहजनक है। NRAI की ओर से, मैं माननीय सेक्रेटरी जनरल इंजीनियर अलओतैबी और ASC में उनकी टीम को धन्यवाद देता हूँ, जिन्होंने विश्व स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिताओं की मेज़बानी करने की भारत की क्षमता पर अपना विश्वास बनाए रखा है।
एनआरएआई के सेक्रेटरी जनरल, पवनकुमार सिंह ने भी अपने विचार साझा करते हुए कहा, यह एनआरएआइमें हमारी पूरी टीम द्वारा किए गए अथक प्रयासों का परिणाम है और मैं सबसे पहले इस बड़ी जीत के लिए उन सभी को बधाई देना चाहता हूँ। इसके अलावा, भारतीय खेल प्राधिकरण, खेल मंत्रालय और भारत सरकार द्वारा अपने विभागों और एजेंसियों के माध्यम से हमें दिए गए जबरदस्त समर्थन ने भारत को विश्व स्तरीय शूटिंग प्रतियोगिताओं के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक के रूप में अपनी बढ़ती स्थिति सुनिश्चित की है। हमें उम्मीद है कि अगले साल दो अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंटों के साथ हम इसे और मजबूत करेंगे।÷ भारत धीरे-धीरे लेकिन निश्चित रूप से स्पोर्ट शूटिंग के वैश्विक केंद्रों में से एक बनता जा रहा है, अगर पहले से ही नहीं बन गया है। पेरिस 2024 ओलंपिक्स के बाद, जहाँ भारतीय निशानेबाजों ने देश के तीन या आधे मेडल जीते थे, डॉ. करणी सिंह शूटिंग रेंज में देश में रेगुलर तौर पर टॉप इंटरनेशनल कॉम्पिटिशन हुए हैं। अक्टूबर 2024 में सीज़न के आखिर में होने वाले आईएसएसएफ वर्ल्ड कप फाइनल के बाद,पिछले साल सितंबर में आईएसएसएफ जूनियर वर्ल्ड कप राइफल/पिस्टल/शॉटगन हुआ था, और एशियन चैंपियनशिप राइफल/पिस्टल 2026 अभी चल रही है।

मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश नॉर्वे चेस 2026 में खेलेंगे

स्टावांगर,03 फरवरी 2026। मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन गुकेश डोम्माराजू नॉर्वे चेस 2026 में हिस्सा लेंगे, और दुनिया के सबसे मज़बूत चेस टूर्नामेंट में अपनी जगह बनाएंगे। यह भारतीय स्टार इस खेल के इतिहास में सबसे कम उम्र के निर्विवाद वर्ल्ड चैंपियन के तौर पर ओस्लो आ रहे हैं। 2024 में, गुकेश ने कैंडिडेट्स टूर्नामेंट जीता और फिर तत्कालीन वर्ल्ड चैंपियन डिंग लिरेन को हराकर, सिर्फ़ 18 साल की उम्र में वर्ल्ड टाइटल हासिल किया। गुकेश ने कहा...मैं नॉर्वे चेस में फिर से हिस्सा लेकर बहुत खुश हूँ, हमेशा की तरह बहुत मज़बूत खिलाड़ियों के साथ मुकाबला करूँगा, और सभी रोमांचक खेलों का इंतज़ार कर रहा हूँ। उनकी तेज़ी से हुई तरक्की में कई ऐतिहासिक पड़ाव शामिल हैं,जिनमें 2750 रेटिंग मार्क पार करने वाले अब तक के सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बनना और 12 साल की उम्र में ग्रैंडमास्टर का खिताब हासिल करना शामिल है, जो चेस इतिहास में तीसरे सबसे कम उम्र के खिलाड़ी हैं। वह अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की हालिया सफलता का भी एक अहम हिस्सा रहे हैं।

कांग्रेस नेताओं ने पुलिस कमिश्नर से की मुलाकात

कहा...शहर में पेट्रोलिंग बढ़ाएं और अपराध पर लगाम लगाएं

रायपुर,03 फरवरी 2026। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने रायपुर पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मुलाकात की और शहर की बिगड़ती कानून व्यवस्था,ट्रैफिक अव्यवस्था और बढ़ते अपराधों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान कांग्रेस नेताओं ने कहा कि राजधानी में अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद होते जा रहे हैं। शहर के कई इलाकों में खुलेआम नशे का कारोबार फल-फूल रहा है,जिससे युवाओं का भविष्य खतरे में पड़ रहा है। वहीं शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में हत्या, लूट और चोरी जैसी वारदातों में लगातार इजाफा हो रहा है, जो पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े करता है। प्रतिनिधिमंडल ने यह भी कहा कि राजधानी में ट्रैफिक जाम और लगातार हो रही चालानी कार्रवाई से आम जनता परेशान है। शहर में पार्किंग की कोई ठोस व्यवस्था नहीं होने के बाद भी लोगों पर कार्रवाई की जा रही है, जिससे नागरिकों को बेवजह दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। कांग्रेस के प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस कमिश्नर से मांग की है कि बदमाशों और अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। शहर में पेट्रोलिंग बढ़ाई जाए और संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जाए। साथ ही नशे के कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने और ट्रैफिक व्यवस्था को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाया जाए, ताकि राजधानी में कानून व्यवस्था मजबूत हो और आम जनता खुद को सुरक्षित महसूस कर सके। प्रतिनिधिमंडल में कांग्रेस जिलाध्यक्ष श्रीकुमार मेनन, पूर्व राज्यसभा सांसद छाया वर्मा, सुबोध हरितवाल समेत अन्य नेता शामिल थे।

कवर्धा में कांग्रेस का प्रदर्शन...

मनरेगा-धान घोटाले की जांच की मांग तख्तियां-बैनर लेकर कलेक्टर कार्यालय का किया घेराव

कवर्धा,03 फरवरी 2026। कवर्धा जिले में कांग्रेस ने मनरेगा, धान घोटाले की जांच समेत 5 सूत्रीय मांगो को लेकर प्रदर्शन किया। 3 फरवरी को पीसीसी चीफ दीपक बैज के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता, पदाधिकारी कलेक्टर कार्यालय का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन कर राज्य व जिला प्रशासन का ध्यान जनसमस्याओं की ओर आकर्षित करते हुए जल्द निराकरण की मांग की गई। कार्यक्रम की शुरुआत जिला मुख्यालय में एकत्रित कांग्रेसजनों की सभा से हुई थी। बैज ने राज्य सरकार की नीतियों की आलोचना करते हुए कहा कि आम जनता महंगाई, बेरोजगारी और बुनियादी सुविधाओं की कमी से त्रस्त है, लेकिन सरकार जनता की आवाज सुनने को तैयार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस जनता के हक की लड़ाई सड़क से सदन तक लड़ती रहेगी। घेराव के दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और अपनी मांगों से संबंधित तख्तियां व बैनर लेकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा, जिसे देखते हुए प्रशासन द्वारा सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। कांग्रेस प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर के माध्यम से राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपते हुए पांच सूत्रीय मांगों को अविलंब पूरा करने की मांग की। ज्ञापन में प्रमुख रूप से ये मांग शामिल है। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ने कहा कि यदि सरकार ने मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

रायपुर में सूर्य नमस्कार सामूहिक प्रतियोगिता का आयोजन,21 टीमों ने लिया हिस्सा

रायपुर, 03 फरवरी 2026। क्रीड़ा भारती रायपुर महानगर और रायपुर जिला योगासन खेल संघ के संयुक्त तत्वावधान में सूर्य नमस्कार सामूहिक प्रतियोगिता का आयोजन बालाजी विद्या मंदिर सेक्टर-2 केवड़ानगर रायपुर में किया गया। जिसमें जिले की अलग-अलग शैक्षणिक और योग संस्थाओं की 21 टीमों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य योग के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करना,अनुशासन और भारतीय संस्कृति के महत्व को बताना था। प्रतियोगिता में सरस्वती शिशु मंदिर, भारतीय योग संस्थान,गायत्री चेतना केंद्र,विवेकानंद महाविद्यालय, केंद्रीय विद्यालय क्रमांक-2 समेत कई संस्थानों की टीमों ने उत्साह के साथ सूर्य नमस्कार का प्रदर्शन किया। इस कार्यक्रम के समापन पर विजेता टीमों और प्रतिभागियों को मेडल, प्रमाण पत्र और नकद पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। पुरस्कार वितरण समारोह में योग आयोग के अध्यक्ष रूपनारायण सिन्हा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए।

रायपुर में अंतरिक्ष केंद्र का एस्ट्रोनॉट शुभांशु ने किया उद्घाटन

सभी जिलों में अंतरिक्ष संगवारी-केंद्र खुलेंगे : सीएम साय

रायपुर, 03 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय राखी में प्रदेश के पहले अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ किया गया। भारत के अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने संयुक्त रूप से इस अंतरिक्ष केंद्र का उद्घाटन किया। इस अवसर पर शुभांशु शुक्ला ने स्टूडेंट्स से संवाद किया और अंतरिक्ष से जुड़े अपने अनुभव साझा किए। उन्हें देखने और सुनने को लेकर छात्रों में खासा उत्साह देखने को मिला। मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि, प्रदेश में अंतरिक्ष संगवारी पहल को विस्तार मिलेगा। अब प्रदेश के सभी जिलों में अंतरिक्ष संगवारी केंद्र खुलेंगे। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि यह अंतरिक्ष केंद्र छत्तीसगढ़ के बच्चों के लिए नए सपनों के द्वार खोलेगा। अब राज्य के विद्यार्थी अंतरिक्ष विज्ञान और तकनीक को नजदीक से समझ सकेंगे और इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित होंगे।

सभी जिलों में अंतरिक्ष केंद्र खोले जाएंगे : मुख्यमंत्री ने कहा कि, पूरे प्रदेश में अंतरिक्ष संगवारी पहल को विस्तार देते हुए सभी जिलों में अंतरिक्ष केंद्र खोले जाएंगे। मुख्यमंत्री ने भारतीय वायुसेना के ग्रुप कैप्टन और अंतरिक्ष यात्री डॉ. शुभांशु शुक्ला का छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। उन्होंने कहा कि डॉ. शुभांशु शुक्ला जैसे व्यक्तित्व युवाओं के लिए प्रेरणा के जीवंत प्रतीक हैं, जिनकी अंतरिक्ष यात्रा ने देश को गौरवान्वित किया है। मुख्यमंत्री ने बच्चों से भावपूर्ण संवाद करते हुए कहा कि आज से उनके सपनों को पंख मिल रहे हैं और उनका आकाश और भी बड़ा हो गया है। यह अंतरिक्ष केंद्र केवल एक भवन नहीं, बल्कि बच्चों के सपनों की प्रयोगशाला है, जहां वे विज्ञान को किताबों से बाहर निकालकर प्रयोग और अनुसंधान के माध्यम से समझ सकेंगे।

राकेश शर्मा के बाद दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु : शुभांशु शुक्ला ने तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ एक्सिओम-4 मिशन के तहत अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की यात्रा की थी। उन्होंने 25 जून 2025 को अंतरिक्ष के लिए उड़ान भरी थी।

विंग कमांडर राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले दूसरे भारतीय अंतरिक्ष यात्री बने। शुभांशु शुक्ला 14 जुलाई को पृथ्वी पर लौटे थे। उन्होंने अंतरिक्ष में करीब 20 दिन बिताए। इस दौरान उन्होंने 60 से अधिक वैज्ञानिक प्रयोग सफलतापूर्वक किए, जिनमें जैव-चिकित्सा विज्ञान, तंत्रिका विज्ञान, कृषि, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उन्नत सामग्री विज्ञान जैसे क्षेत्र शामिल रहे।

आधुनिक सुविधाओं से लैस है अंतरिक्ष केंद्र

नवा रायपुर में बना यह अंतरिक्ष केंद्र आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस है। यहां विद्यार्थियों को सैटेलाइट निर्माण, उसकी जांच और ट्रैकिंग की जानकारी दी जाएगी। इसके लिए विशेष लैब, ग्राउंड स्टेशन और कंट्रोल सेंटर की व्यवस्था की गई है।

प्रोजेक्ट 'अंतरिक्ष संगवारी' की शुरुआत

जिला प्रशासन रायपुर और IDYM फाउंडेशन के सहयोग से शुरू किए गए 'प्रोजेक्ट अंतरिक्ष संगवारी' के माध्यम से प्रदेश के युवाओं को विज्ञान के क्षेत्र में नई दिशा मिलेगी। कार्यक्रम में वन मंत्री केदार कश्यप और तकनीकी शिक्षा मंत्री गुरु खुशवंत साहब भी उपस्थित रहे। बड़ी संख्या में छात्र और शिक्षक भी कार्यक्रम में शामिल हुए।

शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा किया

ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष यात्रा से जुड़े अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि, जब रॉकेट लॉन्च होता है, तो उसमें अत्यधिक ऊर्जा लगती है और कुछ ही समय में शून्य से लगभग 30 हजार किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से अंतरिक्ष तक पहुंचा जाता है। उन्होंने छत्तीसगढ़ को ऊर्जावान प्रदेश बताते हुए कहा कि यहां के बच्चों में अपार क्षमता और जिज्ञासा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अंतरिक्ष केंद्र का शुभारंभ बच्चों को स्पेस साइंस से जोड़ने की दिशा में एक बड़ा और दूरदर्शी कदम है। क्लीन स्टेशन के उद्घाटन के दौरान मैंने देखा कि मुख्यमंत्री स्टेशन में प्रवेश से पहले खुद विशेष ड्रेस व कैप को पहन रहे थे। मुझे यह देखकर बड़ी खुशी हुई कि राज्य का मुखिया जब स्वयं ऐसी रुचि दिखाता है, तो यह बच्चों और युवाओं के भविष्य को लेकर उनकी स्पष्ट और भविष्योन्मुखी सोच को दर्शाता है।

हाईकोर्ट ने पैतृक संपत्ति में हिस्सेदारी को लेकर दिया महत्वपूर्ण फैसला...

बिना प्रमाणित मौखिक बंटवारे से बेटी का सहदायिक अधिकार नहीं होता समाप्त

बिलासपुर,03 फरवरी 2026। पैतृक संपत्ति में बेटियों के अधिकार को लेकर छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए कहा है कि 20 दिसंबर 2004 से पहले का अप्रमाणित मौखिक बंटवारा बेटी के सहदायिक (कॉपरसेनरी) अधिकार को समाप्त नहीं कर सकता। न्यायालय ने पैतृक कृषि भूमि में हिस्सेदारी की मांग को लेकर दायर अपील को स्वीकार करते हुए विचारण न्यायालयों के आदेशों को निरस्त कर दिया। न्यायमूर्ति बिभु दत्त गुरु की एकलपीठ ने कहा कि यदि विधि द्वारा मान्य बंटवारे का कोई ठोस प्रमाण उपलब्ध नहीं है, तो वादी (पुत्री) सहदायिक बनी रहती है और उसे संपत्ति के विभाजन व पृथक कब्जे का अधिकार है। केवल मौखिक बंटवारे का दावा, बिना कानूनी प्रमाण के,बेटी के अधिकार को नकारने का आधार नहीं बन सकता। यह अपील उस वाद से जुड़ी थी,जिसमें वादी ने पैतृक कृषि भूमि में अपना हिस्सा मांगा था। ट्रायल कोर्ट और प्रथम अपीलीय न्यायालय ने हिंदू उत्तराधिकार अधिनियम, 1956 की धारा 6(1) के प्रावधान का हवाला देते हुए वाद खारिज कर दिया था। हाईकोर्ट ने इन दोनों समवर्ती निर्णयों को रद्द करते हुए कहा कि संशोधित कानून का उद्देश्य लैंगिक भेदभाव को समाप्त करना और बेटियों को पुत्रों के समान अधिकार देना है। प्रतिवादियों ने यह तर्क दिया कि 20 दिसंबर 2004 से पहले संपत्ति का मौखिक बंटवारा हो चुका था और वादी को पिता के जीवनकाल में भूमि व मकान का हिस्सा दे दिया गया था। अदालत ने इस दलील को खारिज करते हुए कहा कि धारा 6(1) का संरक्षण केवल उन्हीं बंटवारों को मिलता है, जो या तो सक्षम न्यायालय के डिक्री से हुए हों या पंजीकृत दस्तावेज के माध्यम से। यहां न तो कोई पंजीकृत बंटवारा पत्र प्रस्तुत किया गया और न ही कोई न्यायिक आदेश।

हाईकोर्ट ने सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय विनीता शर्मा बनाम राकेश शर्मा (2020) का उल्लेख करते हुए स्पष्ट किया कि सामान्यतः मौखिक बंटवारे को कानून मान्यता नहीं देता,जब तक कि वह सार्वजनिक दस्तावेजों से सिद्ध न हो,जो इस मामले में अनुपस्थित था। अदालत ने यह भी कहा कि यदि पिता के जीवनकाल में बेटी को कुछ भूमि या मकान का हिस्सा दिया गया हो,तो उसे पूर्ण और अंतिम बंटवारा नहीं माना जा सकता। यह केवल भरण-पोषण और निवास की अस्थायी व्यवस्था हो सकती है। प्रतिवादियों की ओर से माता-पिता के बीच प्रथागत तलाक का दावा भी किया गया, जिसे भी अदालत ने अस्वीकार कर दिया। न्यायालय ने कहा कि किसी भी प्रथा को मान्य कराने के लिए उसका स्पष्ट उल्लेख और कठोर प्रमाण आवश्यक होता है,जो इस मामले में प्रस्तुत नहीं किया गया। अंततः न्यायालय ने माना कि बिना प्रमाणित मौखिक बंटवारे के आधार पर बेटी के वैधानिक अधिकार को नकारना कानून सम्मत नहीं है। वादी सहदायिक बनी रहेगी और उसे पैतृक संपत्ति के विभाजन व पृथक कब्जे का पूरा अधिकार प्राप्त है।

मरीजों को बड़ी राहत : निजी अस्पतालों की फार्मेसी से दवा खरीदना अब अनिवार्य नहीं.. प्रबंधन को लगाना होगा बोर्ड

रायपुर,03 फरवरी 2026। निजी अस्पतालों में इलाज कराने वाले मरीजों को अब अस्पताल परिसर की फार्मेसी से ही दवा खरीदने के लिए मजबूर नहीं किया जा सकेगा। खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) के नियंत्रक ने इस संबंध में स्पष्ट आदेश जारी किए हैं। आदेश के तहत अस्पतालों में संचालित मेडिकल स्टोर्स पर साफ तौर पर यह सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य होगा जिसमें लिखा होगा कि दवा यहां से खरीदना अनिवार्य नहीं है। इस फैसले के बाद निजी अस्पतालों में चल रही दवा दुकानों की मनमानी पर रोक लगेगी। लंबे समय से यह शिकायत सामने आती रही है कि अस्पतालों के डॉक्टर जिस दवा की पर्ची लिखते हैं, वह दवा मरीजों को केवल उसी अस्पताल की फार्मेसी से और एमआरपी पर ही मिलती है। कई मामलों में मरीजों और उनके परिजनों पर दबाव बनाया जाता था कि दवा बाहर से न लेकर अस्पताल के अधिकृत मेडिकल स्टोर से ही खरीदी जाए। वर्तमान में बड़े और मध्यम स्तर के अधिकांश निजी अस्पतालों की अपनी फार्मेसी है। वहीं,छोटे अस्पतालों और क्लीनिकों से जुड़े कुछ डॉक्टरों की बाहरी मेडिकल स्टोर्स से भी सेटिंग होने की शिकायतें सामने आती रही हैं। इस स्थिति को गंभीर मानते हुए एफडीए नियंत्रक ने सभी जिलों के सहायक औषधि नियंत्रकों को निर्देश दिए हैं कि दवा खरीदने की इस अनिवार्यता पर सख्ती से रोक लगाई जाए। दवा विक्रेता संगठनों ने पहले भी अस्पतालों के भीतर दवा दुकान संचालन पर आपत्ति जताई थी। उनका कहना था कि इससे मरीजों को बाजार मूल्य से अधिक कीमत पर दवाइयां खरीदने के लिए मजबूर किया जाता है।

पीलिया से मोवा निवासी महिला अधिकारी की मौत

रायपुर,03 फरवरी 2026। 2018 की टॉपर व वित्त विभाग की अफसर अनिता सोनी की बीमारी से मौत हो गई है। अनिता एमबीए की पढ़ाई के लिए फरिदाबाद गई थी। पीलिया से पीड़ित होने के बाद प्राइवेट अस्पताल में भर्ती थी। इलाज के दौरान शनिवार को उनकी मौत हो गई। वित्त अधिकारी अनिता सोनी विभाग से अनुमति मिलने के बाद एमबीए की पढ़ाई करने के लिए फरिदाबाद गई थी। इसी दौरान उनको पीलिया हो गया। पीलिया के इलाज के लिए फरिदाबाद के प्राइवेट अस्पताल फोर्टिस हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। इलाज के दौरान बीमारी बढ़ती ही गई। बीते 50 दिनों तक वह आईसीयू में भर्ती रही। मल्टी आर्गन फैल्युअर के चलते शनिवार रात दो बजे उनका निधन हो गया। निधन की सूचना मिलते ही प्रशासनिक अमले में शोक की लहर दौड़ गई। पिताः उनके पिता सुरेश सोनी व मा शांति सोनी हैं। अनिता रायपुर के मोवा इलाके की रहने वाली है।

राजधानी के रविवि डाकघर में करोड़ों का हुआ सेविंग अकाउंट घोटाला...उपभोक्ता आयोग ने पीड़ितों को भुगतान का दिया आदेश

रायपुर,03 फरवरी 2026। राजधानी रायपुर के रविशंकर विश्वविद्यालय स्थित उप डाकघर में बचत योजना में बड़ा वित्तीय घोटाला सामने आया है। इस मामले में छत्तीसगढ़ राज्य उपभोक्ता संरक्षण आयोग ने पीड़ित खाताधारकों को करोड़ों रुपये के भुगतान का आदेश दिया है।

एजेंट और स्टाफ की मिलीभगत से हुआ घोटाला : आयोग ने स्पष्ट रूप से माना है कि एजेंट और विभागीय कर्मचारियों, विशेषकर पोस्टमास्टर की मिलीभगत के बिना इस प्रकार का अनियमित आहरण संभव नहीं था। आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार, परिवादी अनिल कुमार पाण्डेय, उनकी पत्नी एवं पुत्री द्वारा अगस्त 2016 से नवंबर 2020 के बीच रविशंकर विश्वविद्यालय उप डाकघर में डाक बचत अभिकर्ता भूपेन्द्र पाण्डेय एवं आकांक्षा पाण्डेय के माध्यम से कुल 19 टर्म डिपॉजिट रसीद खाते और 2 आवर्ती जमा खाते खुलवाए गए थे। इन सभी खातों में जमा कुल राशि लगभग 1.97 करोड़ रुपये थी।

इस तरह की गई हेराफेरी : पीड़ित परिवार का आरोप है कि पूर्व में परिपक्व हुए खातों की राशि को पुनः निवेश करने के लिए आवश्यक प्रपत्रों पर उनसे हस्ताक्षर कराए गए और पोस्टमास्टर के नाम से चेक भी जारी कराए गए। इसके बाद उन्हें नई पासबुकें प्रदान की गईं, जिन पर डाकघर की आधिकारिक मुहर और पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर अंकित थे। इससे खाताधारकों को यह विश्वास हो गया कि उनकी राशि सुरक्षित है और नियमानुसार निवेशित की जा चुकी है। हालांकि, बाद में यह सामने आया कि एजेंट भूपेंद्र पांडे ने डाकघर के कुछ कर्मचारियों ने आपसी मिलीभगत से खाताधारकों की जानकारी और अनुमति के बिना खातों से भारी रकम का आहरण कर लिया। पीड़ितों ने जब इस अनियमितता को लेकर डाक विभाग में लिखित शिकायत दर्ज कराई, तब भी विभाग की ओर से न तो उन्हें कोई स्पष्ट जानकारी दी गई और न ही संदिग्ध खातों को समय रहते होल्ड किया गया।

शराब घोटाला...लखमा को सुप्रीम कोर्ट से मिली अंतरिम जमानत

छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा,सिर्फ पेशी के लिए आएंगे,भूपेश बोले- सत्य की जीत हुई

रायपुर,03 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ शराब घोटाला मामले में पूर्व आबकारी मंत्री कवासी लखमा को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। प्रवर्तन निदेशालय और आर्थिक अपराध शाखा से जुड़े मामलों में उन्हें अंतरिम जमानत मंजूर की गई है। जमानत की शर्तों के तहत लखमा को छत्तीसगढ़ से बाहर रहना होगा, हालांकि कोर्ट में पेशी के दौरान वे छत्तीसगढ़ आ सकेंगे। इसके अलावा उन्हें अपना पासपोर्ट जमा करना होगा और अपना वर्तमान पता और मोबाइल नंबर संबंधित पुलिस थाने में दर्ज कराना अनिवार्य होगा। एडवोकेट हर्षवर्धन परगनिहा ने सुप्रीम कोर्ट में कवासी लखमा का पक्ष रखा। उन्होंने बताया कि इस मामले में मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में करीब ढाई घंटे सुनवाई हुई।

ईडी ने कवासी लखमा को 15 जनवरी 2025 को गिरफ्तार किया था। ईडी ने रिमांड पर उनसे 7 दिन पूछताछ की थी। इसके बाद 21 जनवरी से 4 फरवरी तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा गया था। उसके बाद से ही कवासी लखमा रायपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं। बता दें कि 2 महीने पहले कांग्रेस ने जेल में बंद कवासी लखमा के इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया था। वहीं लखमा को अंतरिम जमानत मिलने के बाद पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कवासी लखमा को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दी गई जमानत ने एक बार फिर इस बात को दर्ज किया है कि सत्य की लड़ाई में संघर्ष का सामना करना पड़ता है, लेकिन जीत सत्य की ही होती है।

सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को लगाई थी फटकार

3 महीने पहले सुप्रीम कोर्ट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को कड़ी फटकार लगाई थी। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी से पूछा कि ऐसी कौन-सी जांच बची है, जो अभी तक पूरी नहीं हो पाई है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है। सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई के दौरान ईडी से पूछा कि एक तरफ कहते हो कि शराब घोटाले के आरोपियों को बेल नहीं देनी है, दूसरी तरफ कहते हो कि हम जांच कर रहे हैं। तो ऐसी कौन-सी जांच है, जो अभी तक चल रही है। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को आदेश दिया है कि जांच अधिकारी अपना पर्सनल एफिडेविट दाखिल करें, जिसमें यह स्पष्ट किया जाए कि पूर्व मंत्री कवासी लखमा के खिलाफ अभी कौन-सी जांच चल रही है। इस जांच को पूरा करने के लिए कितने समय की जरूरत है।

पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर मनाई खुशी

सुप्रीम कोर्ट से पूर्व मंत्री एवं कोंटा विधायक कवासी लखमा को जमानत मिलने पर जिला मुख्यालय बीजापुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने पटाखे फोड़कर और मिठाई बांटकर खुशी मनाई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने इसे सत्य की जीत बताते हुए कहा कि सत्य परेशान हो सकता है लेकिन पराजित नहीं हो सकता, साथ ही आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ने राजनीतिक दुर्भावना के तहत कवासी लखमा को लंबे समय तक जेल में रखा। बीजापुर विधायक विक्रम मंडावी ने कहा कि भाजपा सरकार ने द्वेष और षड्यंत्र के तहत जनप्रिय नेता कवासी लखमा को फंसाया, लेकिन जमानत मिलने से यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस पार्टी संविधान और न्यायपालिका पर भरोसा रखने वाली पार्टी है, और बहुत जल्द कवासी लखमा फिर से जनता के बीच होकर जन-जन की आवाज बनेंगे।

छत्तीसगढ़ में 1 अप्रैल से शराब महंगी होगी

देसी-विदेशी,बीयर के दाम बढ़ेंगे,प्रीमियम ब्रांड और महंगे होंगे

रायपुर,03 फरवरी 2026। छत्तीसगढ़ में शराब की कीमतें बढ़ने वाली है। राज्य सरकार ने शराब पर संशोधित आबकारी ड्यूटी की अधिसूचना जारी कर दी है। जिसे 30 जनवरी 2026 को राजपत्र में पब्लिश किया गया। नई दरें 1 अप्रैल 2026 से लागू होंगी। इसके तहत देसी-विदेशी और बीयर महंगी होगी। जारी अधिसूचना के मुताबिक,विदेशी शराब पर ड्यूटी अब रिटेल सेल प्राइस यानी बाजार में बिकने वाली कीमत के स्लैब के आधार पर तय की गई है। मतलब,जितनी महंगी ब्रांड की शराब होगी,उस पर उतना ज्यादा टैक्स देना होगा। इसके साथ ही देसी शराब, बीयर और रेडी-टू-ड्रिंक पेय पदार्थों पर भी टैक्स बढ़ाया गया है।

प्लास्टिक बोतल में बिकेगी शराब : नई आबकारी नीति 2026-27 के तहत एक और बड़ा बदलाव किया गया है। अब राज्य की सरकारी शराब दुकानों में शराब कांच की बोतल के बजाय प्लास्टिक बोतल में बेची जाएगी। सरकार का दावा है कि इससे ट्रांसपोर्ट आसान होगा और लागत में कमी आएगी।

हालांकि, कीमतों पर इसका सीधा लाभ उपभोक्ता को मिलता नहीं दिख रहा।

प्रूफ लीटर शराब में मौजूद शुद्ध अल्कोहल की मात्रा को मापने की इकाई है। सरल शब्दों में कहें तो यह यह बताता है कि किसी शराब में अल्कोहल कितना है, न कि बोतल में कुल तरल कितना है। उदाहरण के तौर पर अगर किसी बोतल में 1 लीटर शराब है और उसमें 50% अल्कोहल है, तो उसमें 0.5 प्रूफ लीटर अल्कोहल माना जाएगा। अगर 1 लीटर शराब में 42.8% अल्कोहल है तो तो उसमें लगभग 0.43 प्रूफ लीटर अल्कोहल होता है।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफसेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)